संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
गुरुवार
23 अक्टूबर 2025
वर्ष:-24, अंक:-= 119
कुल पृष्ठ:08
मूल्य: एक रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

बिहार चुनाव में वोटिंग से पहले तेजस्वी का बड़ा दांव

हर जीविका सीएम दीदी को देंगे 30 हजार वाली परमानेंट नौकरी

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में राजद ने बड़ा दांव खेल दिया है। तेजस्वी यादव ने इसको लेकर एक बड़ा चुनावी वादा किया है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि अगर महागठबंधन की सरकार बिहार की सत्ता में आती है तो जीविका दीदियों को बड़ा तोहफा दिया जाएगा। तेजस्वी ने इसे ऐतिहासिक घोषणा बताया है। आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रचार का समय आया है। जनता से संवाद करने का समय आ चुका है। इस बार बिहार के लोगों ने बदलाव का मन बनाया है। लोग मौजूदा डबल इंजन की सरकार से परेशान हैं। पढ़ाई,दवाई और कमाई की चिंता नहीं की। सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि नीतिश कुमार ने उनके संकल्प और योजनाओं की नकल की। सरकार बनने पर हर परिवार को सरकारी नौकरी का वादा दोहराते हुए आरजेडी नेता ने कहा कि इसे हम पूरा करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि जीविका दीदियों का शोषण किया गया है। उन्हें हक दिलाया जाएगा। जीविका दीदियों को स्थायी कर्मचारी का दर्जा देकर वेतन 30 हजार प्रति महीना किया जाएगा। आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जीविका समूह की दीदियों को दो वर्षों तक ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा।

स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को मिला खास सम्मान

● ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अब बने लेफ्टिनेंट कर्नल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक गोल्ड मेडल विनर भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को बुधवार को इंडियन आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल का पद प्रदान किया गया। यह दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में हुआ। यह सम्मान नीरज चोपड़ा की एथलेटिक्स में असाधारण उपलब्धियों और लाखों युवा भारतीयों को प्रेरित करने में उनके योगदान के लिए दिया गया है। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों के समूह में शामिल हो गए हैं, जिन्हें देश के लिए गौरव लाने के चलते आर्म्ड फोर्सेज में मानद पद मिला है। द गैजेट ऑफ इंडिया (सरकारी सूचना पत्र) के अनुसार, यह नियुक्ति 16 अप्रैल से प्रभावी हुई। नीरज 26 अगस्त, 2016 को भारतीय सेना में नायब सूबेदार के पद पर एक जूनियर कमीशंड ऑफीसर के तौर पर शामिल हुए थे। इसके दो साल बाद एथलेटिक्स में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया और फिर 2021 में प्रदर्शन के लिए खेल रत्न मिला।

बिहार में महागठबंधन में सीटों को लेकर जमकर तनातनी

लालू-तेजस्वी से मिले अशोक गहलोत,रखा कांग्रेस का पक्ष

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव से पहले महागठबंधन में कांग्रेस और आरजेडी के बीच सीटों और साझा घोषणा पत्र को लेकर खींचतान बढ़ गई है। मामला सुलझाने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को पटना भेजा है। गहलोत बुधवार सुबह पटना पहुंचे। उन्होंने आरजेडी प्रमुख तेजस्वी यादव और लालू यादव से उनके आवास पर एक घंटे मुलाकात की। गहलोत ने कहा,हमारी लालू जी और तेजस्वी यादव से अच्छी बातचीत हुई है। कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस

होगी और सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हम एनडीए के खिलाफ मजबूती से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव मिलकर चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। बिहार में कुल 243 सीटें हैं, और कभी-कभी 5-7 सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हो सकता है। हम साथ मिलकर प्रचार करेंगे और चुनाव जीतेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने भी तेजस्वी से बात की है। तेजस्वी ने सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस की। गठबंधन पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा- गठबंधन पर कल बात करेंगे। 12 सीटों पर महागठबंधन के दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने चुनावी ऐलान भी किए। बिहार की मोहनिया सीट से आरजेडी उम्मीदवार श्वेता सुमन का नामांकन रद्द हो गया है।

जंगी बेड़े में शामिल होंगे 220 ब्रह्मोस

● भारत ने पाकिस्तान की ओर मोड़ दिया अपनी ब्रह्मोस का मुंह

पाकिस्तान के साथ तुर्की और कतर के आतंकी नेटवर्क भी थर्राए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रह्मोस की कहानी 1993 में तब शुरू हुई, जब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के तत्कालीन सचिव डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने सुपरसोनिक मिसाइलों पर संयुक्त कार्य की संभावना तलाशने के लिए रूस का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्हें एक अधूरे सुपरसोनिक इंजन प्रोजेक्ट का पता चला, जिसे सोवियत संघ के पतन के बाद पैसों की कमी के कारण छोड़ दिया गया था। सहयोग की संभावनाओं को पहचानते हुए इस बैठक ने एक ऐतिहासिक रक्षा साझेदारी की नींव रखी। यहीं पर ब्रह्मोस का जन्म हुआ। आज इस ब्रह्मोस के बूते भारत अपने दुश्मनों को पानी पिला रहा है। अब 220 ब्रहमोस को जंगी बेड़े में शामिल किया जाएगा। जैसा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अब ब्रह्मोस की जद में पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन है तो इसका मतलब यह है कि ब्रह्मोस की मारक क्षमता और दायरा भी बढ़ा है। भारत ने इसका मुंह अब पाकिस्तान की ओर कर दिया है।

● करीब 3500 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बरपाती है कहर- कई सफल परीक्षणों के बाद ब्रह्मोस को भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना में शामिल किया गया। यह मैक 2.8 (लगभग 3,430 किमी/घंटा) की गति से उड़ता है। इसकी स्पीड अभी ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना है। इसकी सफलता भारत के एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम में निहित है, जिसे 1983 में मिसाइल तकनीक में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए शुरू किया गया था।

केरल में राष्ट्रपति मुर्मू का हेलीकॉप्टर गड्ढे में फंसा

पुलिस और फायर स्टाफ ने धक्का मारकर बाहर निकाला

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का हेलीकॉप्टर बुधवार को उतरने के बाद गड्ढे में फंस गया। मौके पर मौजूद पुलिस और अग्निशमन कर्मियों ने भारतीय वायुसेना के एम-17 हेलीकॉप्टर को धक्का देकर गड्ढे से निकाला। प्रेसीडेंट सबरीमाला मंदिर में दर्शन करने जा रही थीं। यह घटना केरल के पथानामथिट्टा स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में हुई। यहां हेलीपैड जल्दबाजी में बनाया गया था। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों ने कहा, कन्क्रीट पूरी तरह से जम नहीं पाया था, इसलिए जब हेलीकॉप्टर उतरा तो वह उसका भार नहीं संभाल सका और एक तरफ झुकने लगा। जहां इसके पहिए जमीन को छू रहे थे, वहां गड्ढे बन गए। अधिकारियों के अनुसार, लैंडिंग की योजना मूल रूप से पंबा के पास निलक्कल में बनाई गई थी, लेकिन खराब मौसम के कारण इसे प्रामदम में बदल दिया गया। हालांकि, राष्ट्रपति मुर्मू ने बिना किसी देरी के सड़क मार्ग से अपनी यात्रा जारी रखी।

भगवान शिव और विष्णु की संतान हैं अयप्पा

पौराणिक कथाओं के अनुसार, सबरीमाला मंदिर के भगवान अयप्पा को भगवान शिव और मोहिनी (भगवान विष्णु का अवतार) का पुत्र माना जाता है। इनका एक नाम हरिहरपुत्र भी है। हरि यानी विष्णु और हर यानी शिव, इन्हीं दोनों भगवानों के नाम पर हरिहरपुत्र नाम पड़ा। इनके अलावा भगवान अयप्पा को अयप्पन, शास्ता, मणिकांता नाम से भी जाना जाता है। केरल में शैव और वैष्णवों में बढ़ते मनमुटाव के कारण एक मध्य मार्ग की स्थापना की गई थी, जिसमें अय्यप्पा स्वामी का सबरीमाला मंदिर बनाया गया था। इसमें सभी पंथ के लोग आ सकते हैं।

मध्यप्रदेश में हर जिले में दवाओं की जांच की तैयारी

● 211 करोड़ का प्रस्ताव केंद्र को भेजा, जहरीले सिरप से 26 बच्चों की मौत हुई थी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में जहरीले सिरप से 26 बच्चों की मौत के बाद अब राज्य सरकार दवाओं में होने वाली मिलावट की जांच माइक्रो लेवल पर कराने की तैयारी कर रही है। इसके लिए दवाओं की जांच के पूरे सिस्टम को अपग्रेड करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। दावा है कि जिलों में मोबाइल लैब की मदद से जांच की जाएगी। इस बदलाव पर करीब 211 करोड़ रुपए खर्च करने की तैयारी है।

यह प्रस्ताव राज्य औषधि सुरक्षा और नियामक सुदृढ़ीकरण योजना के तहत केंद्र सरकार को भेजा गया है। अब तक दवाओं की जांच सिर्फ भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर तक सीमित थी, लेकिन अब हर जिले में ड्रग इंस्पेक्टर का स्वतंत्र कार्यालय बनाया जाएगा। इसके लिए 110 करोड़ का प्रावधान है। 50 करोड़ की लागत से चारों स्टेट ड्रग लैब को अपग्रेड किया जाएगा। एक माइक्रोबायोलॉजी लैब भी तैयार होगी। वहां वे जांचें भी हो सकेंगी, जो अब तक नहीं हो पा रही थी।

रूस से और ज्यादा मिसाइलें खरीदेगा भारत

● एस-400 के लिए 10 हजार करोड़ रुपए की होगी डील ● ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान को किया था पस्त

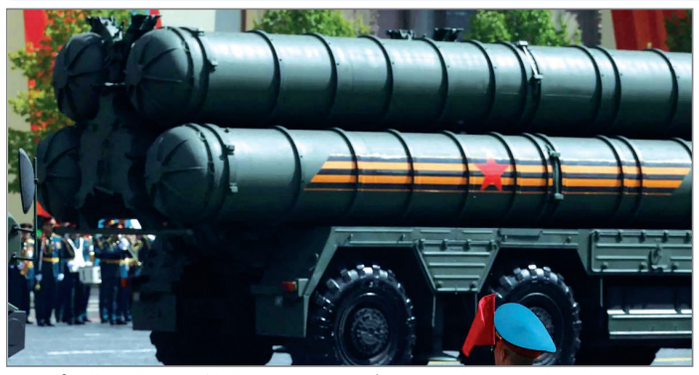

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपने मौजूदा एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के लिए रूस से 10,000 करोड़ की मिसाइलें खरीदने वाला है। इसके लिए रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को 23 अक्टूबर को होने वाली डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल की बैठक में मंजूरी दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना के एस-400 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी। बताया गया कि इसने पाकिस्तान के 5-6 लड़ाकू विमानों और एक जासूसी विमान को 300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर मार गिराया। वायु सेना ने एस-400 को भारत की हवाई सुरक्षा रणनीति का गेम चेंजर बताया है। भारत रूस से कुछ और एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीद सकता है। ऐसे पांच सिस्टम्स की डील पहले ही हुई थी, जिनमें से 3 भारत को मिल चुके हैं। चौथे स्क्वाड्रन की डिलीवरी रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण रुकी हुई है। नई डील इनके अलावा होगी। न्यूज एजेंसी के सोर्स के मुताबिक, दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के समय डील पर बातचीत हो सकती है। भारत ने अक्टूबर 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था। उस समय अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि इस सौदे को आगे बढ़ाने पर वह फेमा कानून के तहत भारत पर पाबंदी लगा सकता है। भारत एस-500 मिसाइल सिस्टम खरीदने पर भी विचार कर रहा है। एस-400 और एस-500 दोनों ही मॉडर्न मिसाइल सिस्टम हैं। इनका इस्तेमाल एयर डिफेंस और दुश्मन के हवाई हमलों से बचने के लिए किया जाता है। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने और एस-400 खरीदने के सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था-एस-400 एक अच्छा हथियार सिस्टम है। ऐसे और सिस्टम्स की जरूरत है, लेकिन वे इस पर कुछ और नहीं कहना चाहते हैं। भारत अपनी जरूरत के हिसाब से सिस्टम खरीदने पर विचार कर सकता है।

फूड डिलीवरी करके गुजारा कर रहे सरकारी कर्मचारी

22 दिन से सैलरी नहीं, ट्रम्प का प्रस्ताव 11वीं बार गिरा,दूसरा सबसे लंबा शटडाउन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में कई सरकारी कर्मचारियों को अब फूड डिलीवरी या अस्थायी नौकरियों कर गुजारा करना पड़ रहा है। वे रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने और ईएमआई भरने के लिए ऐसा कर रहे हैं। दरअसल, देश में लगे शटडाउन की वजह से 7.5 लाख सरकारी कर्मचारियों की सैलरी रुकी हुई है। अमेरिका में 1 अक्टूबर से शुरू हुआ सरकारी शटडाउन अब 22वें दिन में पहुंच गया है। संसद के ऊपरी सदन

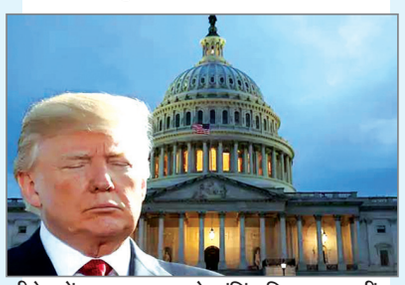

सीनेट में 20 अक्टूबर को फंडिंग बिल पर 11वीं बार वोटिंग हुई, लेकिन राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रस्ताव को फिर से खारिज कर दिया गया। ऐसे में यह अमेरिकी इतिहास का दूसरा सबसे लंबा शटडाउन बन गया है। अमेरिका का फिस्कल ईयर यानी खर्च का साल 1 अक्टूबर से शुरू होता है। यह एक तरह से सरकार का आर्थिक साल होता है, जिसमें वह अपना पैसा खर्च करने और बजट बनाने की योजना बनाती है। इस दौरान सरकार तय करती है कि कहां पैसा लगाना है, जैसे सेना, स्वास्थ्य या शिक्षा में।

दिमाग हुआ था डैमेज, नशे में हिंसक हो जाता था बेटा

पंजाब के पूर्व डीजीपी बोले-बहू की जान बचाकर पुलिस के हवाले किया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा खुद पर अपने बेटे अकील अख्तर की हत्या का केस दर्ज होने के बाद पहली बार मीडिया के सामने आए। यह केस पंचकूला में दर्ज हुआ है जहां अकील अख्तर की मौत हुई। मुस्तफा ने बेटे की मौत से लेकर बहू से अपने रिश्तों तक, सभी सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। बेटे की मौत का दर्द वही समझ सकता है, जिसने अपना बेटा खोया हो। दुनिया में इससे बड़ा कोई दुख नहीं होता। कुछ नीच सोच वाले लोग मेरे बेटे की लाश और मेरे जख्मों पर नमक छिड़क रहे हैं, लेकिन मैं घबराने वाला नहीं हूं। मोहम्मद मुस्तफा ने कहा, बेटे की मौत के बाद मैं गम में था। मैंने किसी का फोन तक नहीं उठाया। मेरे अंदर हिम्मत नहीं थी। मेरे अंदर का बाप बहुत सक्रिय था। मैंने अपना 35 साल का इकलौता बेटा खोया है। लेकिन अब मैंने अपने अंदर के पिता को सुला दिया है, और मेरे अंदर का सैनिक जाग गया है। झूठ के पैर नहीं होते, सच सबके सामने आएगा।

बेटे को 18 साल से साइकोटिक डिसऑर्डर था

पूर्व डीजीपी ने कहा कि बेटा अकील 18 साल से साइकोटिक डिसऑर्डर और नशे की समस्या से जूझ रहा था, कई बार पुलिस कस्टडी में भी रहा। इलाज के दौरान हिंसक हो जाता था और परिवार से दूर हो गया था। 27 अगस्त 2025 को उसने वीडियो पोस्ट कर दो घंटे बाद डिलीट किया, पर कुछ लोगों ने डाउनलोड कर गलत इस्तेमाल किया। साइबर थाने में शिकायत दी गई है, आरोपियों को तलब किया जा रहा है। पूर्व डीजीपी ने बताया कि मेरे बेटे अकील की मौत को लेकर लोग राजनीति कर रहे हैं। वो अक्सर नशे की हालत में हिंसक हो जाता था। एक बार मेरी बहू की जान जाते-जाते बची। तब मैंने खुद बेटे को पुलिस के हवाले किया था।

पंजाब पुलिस जानती है बेटा गलत आदतों में था

पूर्व डीजीपी. मेरे ऊपर बेटे को खोने के गम का पहाड़ टूटा है। इससे बड़ा कोई गम नहीं होता है। कम उम्र में मेरे मां-बाप गुजर गए, लेकिन बेटे के जाने का दुख सबसे बड़ा है। जब एक ही बेटा हो। पूरे पंजाब की पुलिस जानती है कि मेरा बेटा 2007 से गलत आदतों में पड़ गया था। हिंदुस्तान के बेस्ट स्कूल वेल्म में पढ़ता था। वहीं से गलत आदत लगी थी। 18 साल से हम जूझ रहे हैं। बेटा कभी डी-एडिक्शन सेंटर, कभी बाहर और कभी पुलिस की कस्टडी में होता था। पूर्व डीजीपी ने कहा कि हादसे वाले दिन शाम को मैं और मेरी पत्नी खाना खा रहे थे। तभी हमारी बात हो रही थी कि हमें अपने बच्चे को बचाना है, क्योंकि अब ये इंजेक्शन लगाने लगा है।

संक्षिप्त समाचार

ओला के सीईओ को परेशान नहीं करे पुलिस

● सुसाइड केस में कर्नाटक हाईकोर्ट का आदेश

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पुलिस को निर्देश दिया कि वे इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भविष्य अग्रवाल और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी सुब्रत कुमार दास को आत्महत्या मामले की जांच के नाम पर परेशान न करें। यह मामला ओला इलेक्ट्रिक के 38 साल के एक इंजीनियर के. अरविंद की आत्महत्या से जुड़ा है, जिन्होंने कथित रूप से अपनी सुसाइड नोट में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न और आर्थिक शोषण का आरोप लगाया था।

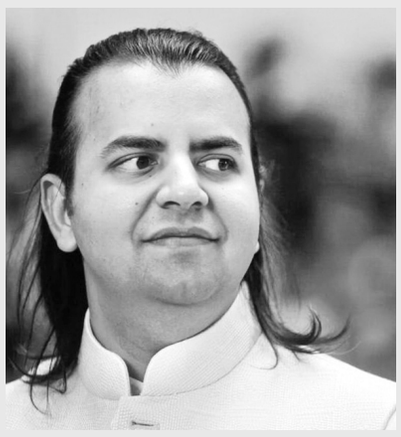

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मोहम्मद नवाज की एकल पीठ ने की। अदालत ने कहा, बेंगलुरु शहर के सुब्रमण्यपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज अपराध संख्या 372/2025 के मामले में जांच कर रही पुलिस याचिकाकर्ताओं को जांच के बहाने परेशान नहीं करेगी। यह आदेश ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक भविष्य अग्रवाल और होमोलोगेशन इंजीनियरिंग प्रमुख सुब्रत कुमार दास द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। दोनों ने एफआईआर रद्द करने की मांग की थी, जिसमें उन पर आत्महत्या के लिए उकसाने (धारा 108, भारतीय न्याय संहिता 2023) का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने यह एफआईआर 6 अक्टूबर को दर्ज की थी। शिकायत अरविंद के भाई अश्विन कन्नन ने दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि ओला इलेक्ट्रिक में नौकरी के दौरान अरविंद को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और उनकी सैलरी व भत्ते रोके गए, जिसके चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली। शिकायत के अनुसार, अरविंद ने 28 सितंबर को बेंगलुरु के चिकलासंद्रा स्थित अपने घर में जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। परिवार का दावा है कि उनकी मृत्यु के दो दिन बाद 17,46,313 रुपये उनके बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए, जिसे उन्होंने संदिग्ध बताया। परिवार के मुताबिक, सुसाइड नोट में स्पष्ट रूप से भविष्य अग्रवाल और सुब्रत कुमार दास के नाम लिखे गए हैं और उन्हें इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

असली अंधेरा अखिलेश यादव की सोच में: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

मुरादाबाद, एजेंसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सपा के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान के दीपोत्सव को लेकर दिये गए बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सपा दीपोत्सव की रोशनी में

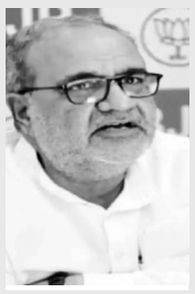

अंधेरा ढूंढने का प्रयास करती है। यह बात मंगलवार को उन्होंने लोनिवि गेस्ट हाउस में पत्रकार वार्ता के दौरान कही। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अखिलेश यादव के दीपोत्सव के नाम पर फिजूलखर्ची के बयान के जवाब में कहा कि असली अंधेरा अखिलेश यादव की सोच में है।

वहीं आजम खान के दिये गए बयान 'जो लोग दीये जला सकते हैं वह कुछ भी जला सकते हैं' पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने बयानों की घोर निंदा करते हुए कहा कि इस तरह के बयान बहुसंख्यक समाज को अपमानित करने वाले हैं। दीप जलाना प्रेम का प्रतीक है। ऐसे बयान देने वालों को प्रदेश की जनता राजनीतिक रूप से अंधकार में धकेल देगी। यह जनता ने तय भी कर लिया है। उनकी सोच सनातन विरोधी है। साधु-संतों और महापुरुषों के लिए गलत बयान देते रहे हैं। विपक्ष का एजेंडा हमारी संस्कृति को कलंकित करने का रहा है। दीप जलाना हमारी संस्कृति और आस्था से जुड़ा है। स्वामी प्रसाद मौर्य को भी जनता समझ चुकी है।

बिहार के बाद अब महाराष्ट्र में भी विपक्ष में मची कलह

कांग्रेस के ऐलान ने बढ़ाई टेंशन

मुंबई, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के बीच सीटों का बंटवारा सही से नहीं हो सका है। करीब आधा दर्जन सीटें तो ऐसी ही हैं, जहां महागठबंधन के ही दल यानी आरजेडी, कांग्रेस, वामदल ही फ्रेंडली फाइट में उतरेंगे। वहीं पूरे देश में इंडिया अलायंस नाम वाले इस गठबंधन में महाराष्ट्र में भी खटास पैदा होती दिख रही है। महाराष्ट्र में कांग्रेस का कहना है कि हम निकाय चुनाव में अकेले उतरना पसंद करेंगे। पार्टी का कहना है कि हम उस गठबंधन में चुनाव नहीं लड़ना चाहेंगे, जिसमें राज ठाकरे होंगे। सीनियर कांग्रेस लीडर और मुंबई के पूर्व अध्यक्ष भाई जगताप ने मंगलवार को यह बात कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज ठाकरे के साथ चुनाव में नहीं रहना चाहेगी और ना ही हम ऐसी स्थिति में उद्धव ठाकरे के साथ रहना चाहेंगे। हम अकेले लड़ना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के प्रभारी रमेश चेन्निथला के साथ नई गठित कमेटी ने मीटिंग की थी और तब यह मसला उठा था। फिलहाल इस बारे में कोई औपचारिक फैसला नहीं लिया गया है। वहीं शिवसेना नेता आनंद दुबे ने भी भाई जगताप को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई फैसला तो राहुल गांधी या फिर मल्लिकार्जुन खरगे करेंगे या फिर शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे लेंगे। भाई जगताप किस हैसियत से ऐसा बोल रहे हैं।

शिवसेना लीडर ने कहा कि हमें चुनौती मत दीजिए। हम शिवसेना हैं और पिछले चुनाव में हमने अकेले चुनाव लड़ा था और भाजपा को हराया था। हम अपने गठबंधन सहयोगियों का सम्मान करते हैं, लेकिन अकेले चुनाव लड़ने के लिए भी तैयार हैं। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की पार्टी 2019 से सहयोगी हैं। इस गठबंधन की नींव एनसीपी नेता शरद पवार की ओर से 2019 में तब रखी गई थी, जब भाजपा और शिवसेना के बीच सरकार गठन को लेकर विवाद हुआ था। तब उद्धव ठाकरे को सीएम बनाते हुए गठबंधन किया गया था। हालांकि 2022 में तब चीजें पलट गईं, जब एकनाथ शिंदे ने पार्टी में ही फूट कर दी और 40 विधायक लेकर खुद ही भाजपा के सहयोग से सीएम बन गए।

हालांकि अब चीजें फिर से महाराष्ट्र में बदल रही हैं। उद्धव ठाकरे की अपने अपने बिछड़े चचेरे भाई के साथ फिर से नज़दीकी बढ़ती दिख रही है। तभी से सवाल उठ रहा है कि क्या वे गठबंधन का हिस्सा बनेंगे, जिसमें कांग्रेस और एनसीपी भी शामिल हैं। गौरतलब है कि बीएमसी को एशिया का सबसे अमीर नगर निकाय कहा जाता है। इसी को लेकर राज और उद्धव के बीच समझौते की चर्चाएं हैं। महा विकास अघाड़ी के दूसरे सहयोगी शरद पवार इस पर क्या प्रतिक्रिया देंगे, इसका फिलहाल इंतजार है। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव के दबाव ने महागठबंधन के सहयोगियों को अलग कर दिया है। हालांकि कांग्रेस या लालू यादव की राष्ट्रीय जनता दल की ओर से ऐसा कोई कड़ा बयान नहीं आया है, लेकिन दोनों ही सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बना पाए हैं।

ओवैसी ने कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव का किया समर्थन, वोट देने की अपील, गठबंधन पर क्या बोले

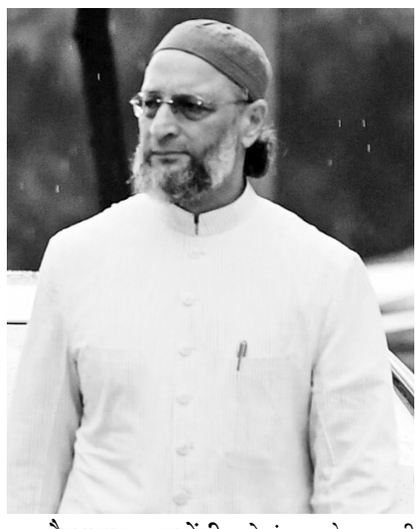

हैदराबाद , एजेंसी। तेलंगाना के जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव का समर्थन किया है। उन्होंने अपनी पार्टी का कैंडिडेट मैदान में नहीं उतारने का फैसला लिया। इसे लेकर ओवैसी से सवाल किया गया कि बिहार में आप कांग्रेस को हराने की बात कर रहे हैं और यहां उसका समर्थन क्यों कर रहे हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा, यह अच्छा सवाल है। बिहार में अख्तरुल इमान साहब और एआईएमआईएम पार्टी ने लालू प्रसाद यादव को पत्र लिखा। खरगे साहब को पत्र लिखा। सीपीआई एमएल के नेता और सीपीआई को पत्र लिखा गया। हमने क्या लिखा? खरगे साहब को चिट्ठी लिखी, तेजस्वी यादव को पत्र लिखा और 6 सीटें देने को कहा था।

जुबली हिल्स उपचुनाव को लेकर ओवैसी ने कहा कि यहां सरकार बनानी है। उपचुनाव की एक सीट को बिहार की 200 से ज्यादा विधानसभा सीटों से तुलना नहीं करनी चाहिए। हमने पत्र लिखे, लेकिन कोई सहमत नहीं हुआ। इसलिए हम चुनाव लड़ेंगे। हमारे 5 विधायक वहां पर कामयाब हो चुके हैं। एआईएमआईएम चीफ ने कहा, हम चंद्रशेखर आजाद की पार्टी और स्वामी प्रसाद मौर्या साहब के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं। इसलिए अगर कोई इस उपचुनाव को देख रहा है तो उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता के बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता।

जुबली हिल्स से एआईएमआईएम का कोई उम्मीदवार नहीं

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जुबली हिल्स के लिए हमारे कोई उम्मीदवार नहीं हैं। अगर कोई एआईएमआईएम पार्टी का नाम लेकर किसी स्वतंत्र उम्मीदवार का नाम ले रहा है, तो हम चुनाव आयोग को पत्र देंगे। न हमारे वीडियो में फोटो इस्तेमाल करें, न कोई नाम लें। अगर कोई ऐसा हमें सबूत के साथ बताता है, तो हम ईसीआई से शिकायत करेंगे। ओवैसी ने कहा कि यह उपचुनाव सरकार बनाने या गिराने से संबंधित नहीं है, बल्कि विकास के मुद्दे पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने बीआरएस के पूर्व विधायक मगंती गोपीनाथ पर 10 साल के कार्यकाल में जुबली हिल्स के किसी भी वार्ड में विकास न करने का आरोप लगाया और स्थानीय लोगों से युवा नेता नवीन यादव को वोट देने की अपील की, ताकि क्षेत्र में प्रगति लाई जा सके।

महाराष्ट्र में बीएमसी चुनाव से पहले एनसीसी को झटका!

तीन पूर्व एमएलए के भाजपा में शामिल होने की अटकलें

सोलापुर , एजेंसी। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के तीन पूर्व विधायकों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की अटकलों से

पवार खेमे में बेचैनी बढ़ गयी है। पार्टी ने सोलापुर जिले में हो रहे नुकसान की भरपाई के लिए पार्टी नेता और राज्य के कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे को मंगलवार को जिले के प्रमुख नेताओं से चर्चा करने और उन्हें पार्टी में बने रहने के लिए मनाने के लिए भेजा है। हाल ही में राकांपा नेता और पूर्व विधायक राजन पाटिल, पूर्व विधायक यशवंत माने और माढा विधायक बबनराव शिंदे के पुत्र रणजीतसिंह शिंदे ने मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी। इस मुलाकात की एक तस्वीर वायरल होने के बाद अफवाहें फैल गई हैं कि तीनों भाजपा में शामिल होने वाले हैं। शिवसेना (ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि इस संदर्भ में मंत्री दत्तात्रेय भरणे का सोलापुर दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस बीच सोलापुर जिले के संरक्षक मंत्री एवं भाजपा नेता जयकुमार गोरे ने पत्रकारों को बताया कि ऑपरेशन लोटस शुरू हो गया है और जिले में जल्द ही दिवाली के पटाखे गूंजने लगेंगे। महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि ये दलबदल भाजपा की रणनीति का हिस्सा हैं।

बिहार चुनाव के बीच संकट में लालू परिवार

सीबीआई ने खड़े किए दर्जनभर गवाह, अगले हफ्ते से ट्रायल

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनावों से पहले लालू परिवार पर संकट गहरा गया है। केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) ने आईआरसीटीसी होटल मामले में करीब एक दर्जन गवाहों की सूची अदालत को सौंपी है, जो पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ मामले में उनकी कथित संलिप्तता के बारे में गवाही देंगे। सीबीआई पहले ही इन गवाहों को औपचारिक नोटिस जारी कर चुकी है और उन्हें 27 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने को कहा है। उस दिन से इस मामले में ट्रायल शुरू होना है।

सूत्रों के हवाले से ईटी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सीबीआई इन गवाहों की गवाही बिना किसी सबूत के आधार पर जल्दी से पूरा करने की कोशिश करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उक्त गवाहों से पूछताछ के बाद, सीबीआई आरोपियों के खिलाफ अपने आरोपों को पुष्ट करने के लिए कुछ और गवाह भी पेश करेगी।

इसी महीने आरोप तय हुए हैं

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में ही एक विशेष सीबीआई अदालत ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आईआरसीटीसी होटल मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए आरोप तय किए हैं। अदालत ने लालू प्रसाद के खिलाफ भ्रष्टाचार (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत), आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और अन्य आरोप तय किए हैं। राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य पर

षड्यंत्र और धोखाधड़ी सहित कई अपराधों का आरोप है। हालांकि, तीनों ने अदालत में खुद को निर्दोष बताया है। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, आरोपी इस आदेश को चुनौती दे सकते हैं।

लालू को पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी- 13 अक्टूबर को आरोप तय करते हुए विशेष सीबीआई कोर्ट के जज विशाल गोगने ने कहा था कि वे प्रथम दृष्टया इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि लालू को पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी और उन्होंने होटलों के हस्तांतरण को प्रभावित करने के लिए हस्तक्षेप किया था। अपने आदेश में जज ने कहा, निविदा प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए थे... यह स्पष्ट संभावना के रूप में सामने आया है कि बिक्री के समय, ज़मीन के टुकड़ों का कम मूल्यांकन किया गया था और फिर वे लालू के हाथों में आ गए।

अवैध भूमि हस्तांतरण में हेरफेर करने का आरोप

बता दें कि सीबीआई ने यादव परिवार पर भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की निविदाओं और अवैध भूमि हस्तांतरण में हेरफेर करने का आरोप लगाया था। लालू प्रसाद यादव पर रेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कोचर बंधुओं- विजय कोचर, विनय कोचर (दोनों मेसर्स सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, होटल चाणक्य, पटना के मालिक) और अन्य के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप हैं, ताकि रांची और पुरी में रेलवे के बीएनआर होटलों को उप-पट्टे पर देने के लिए ठेके देने में फर्म को अनुचित लाभ पहुंचाया जा सके।

ठेके के बदले दिए भूखंड

सीबीआई के आरोपपत्र के अनुसार, ठेके के बदले में कोचर ने कथित तौर पर पटना में एक प्रमुख भूखंड लालू प्रसाद के करीबी सहयोगी प्रेम चंद गुप्ता और उनके सहयोगियों द्वारा नियंत्रित एक कंपनी को बेच दिया और बाद में इस कंपनी को यादव के परिवार के सदस्यों ने अपने नियंत्रण में ले लिया और यह मूल्यवान संपत्ति मामूली कीमत पर उन्हें हस्तांतरित कर दी। न्यायाधीश द्वारा आरोप पढ़े जाने के बाद लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी ने निर्दोष होने की दलील दी और मुकदमे का सामना करने की बात कही।

स्कूल की प्रिंसिपल ने 5वीं के छात्र को पाइप से पीटा, मां ने दर्ज कराई एफआईआर

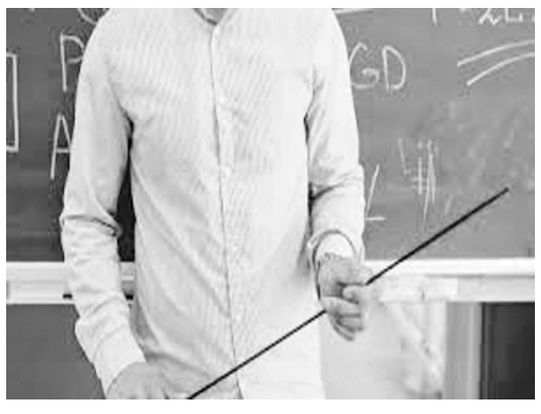

बेंगलुरु , एजेंसी। बेंगलुरु के निजी स्कूल में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक मां ने आरोप लगाया कि उसके 9 साल के बेटे को प्रिंसिपल ने पीवीसी पाइप से बुरी तरह पीटा। होयसलानगर की रहने वाली दिव्या शंकर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसमें कहा गया कि उनका बेटा नयन गौड़ा सेंट मैरी पब्लिक स्कूल में 5वीं कक्षा का छात्र है। उसे 14 अक्टूबर को स्कूल कैंपस में 4 से 5 बजे के बीच पीटा गया। दिव्या के अनुसार, प्रिंसिपल राकेश कुमार ने प्लास्टिक की पाइप से उनके बेटे पर हमला किया, जिससे वह घायल और खून से लथपथ हो गया।

शिकायत में कहा गया कि जब डरा हुआ बच्चा भागने की कोशिश कर रहा था, तब टीचर चंद्रिका ने उसे पकड़ लिया और प्रिंसिपल ने पीटना जारी रखा। स्कूल मालिक विजय कुमार घटना के दौरान वहां पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने कोई हस्तक्षेप नहीं किया। दिव्या ने बताया कि उनका बेटा शारीरिक रूप से घायल होने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी आहत है।

ट्रांसफर सर्टिफिकेट देने की धमकी- बच्चे की मां ने स्कूल मैनेजमेंट से घटना को लेकर बात की, तो उन्हें धमकी दी गई कि ज्यादा सवाल न पूछें और ट्रांसफर सर्टिफिकेट लेकर चले जाएं। दिव्या ने परिवार के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग की है। प्रिंसिपल, टीचर और स्कूल मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील की गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि बच्चे का मेडिकल टेस्ट किया जाएगा और स्कूल के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। इसके आधार पर आगे का ऐक्शन लिया जाएगा।

23 साल तक पेट में फंसा रहा सिक्का, शिमला के डॉक्टरों के चमत्कार से युवती को मिली नई जिंदगी

शिमला , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में शिमला के पास चमियाना स्थित अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने चमत्कार कर दिया। डॉक्टरों ने एक महिला के आहाल नाल (एलिमेंट्री कैनाल) में 23 साल से फंसा हुआ एक सिक्का निकाल दिया। जानकारी के मुताबिक महिला ने बचपन में गलती से सिक्का निगल लिया था, जिसको इलाज के बाद नया जीवन दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक 23 साल की महिला ने बचपन में गलती से सिक्का निगल लिया था। उसे इस बात की अब तक जानकारी नहीं थी कि उसने पेट मे सिक्का निगल लिया है। मगर धीरे-धीरे उसे खाना खाने में दिक्कत आने लगी थी। जब उसे खाना निगलने में लगातार कठिनाई और भूख में कमी का अनुभव होने लगा, तो उसने एआईएमएसएच में दिखाया। कई बार मेडिकल चेकअप हुए। इसके बाद, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के विशेषज्ञों ने पाया कि सिक्का उसकी ग्रासनली में गहराई से धंसा हुआ है।

मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री ने नायक सुशील कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू और उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने 13वीं डोगरा रेजिमेंट में फैजाबाद में तैनात 40 वर्षीय नायक सुशील कुमार के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। सुशील कुमार जिला हमीरपुर के सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के पन्याला गांव के निवासी थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ है और शोक संतप्त परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि नायक सुशील कुमार मातृ भूमि की रक्षा के लिए आजीवन समर्पित रहे व देश के लिए उनकी सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री व उप-मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को भाई दूज की शुभकामनाएं दी

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेशवासियों को भाई दूज की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भाई दूज का पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक है। इस अवसर पर बहनें अपने भाइयों को तिलक कर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करती हैं। साथ ही यह पर्व भाई और बहन के बीच स्नेह और विश्वास को और मजबूत बनाने का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से इस भाईचारे और पारिवारिक मेलजोल को बढ़ाने का आग्रह किया और सभी के जीवन में खुशहाली, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की।

आवश्यक सूचना

ब्याठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। फोन: 0112-2569000, । email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

बिहार में एनडीए की जीत के लिए हरियाणा भाजपा ने झोंकी ताकत, बिहार मूल के 1 लाख से अधिक लोगों से हो चुका अब तक संपर्क

एनडीए को जीताने के लिए बिहार मूल के लोगों में जबरदस्त उत्साह : पंडित मोहन लाल बड़ौली

सीएम हाउस चंडीगढ़ में हुई भाजपा की बड़ी बैठक, मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा रहे मौजूद

चंडीगढ़, । बिहार में एनडीए गठबंधन को जीत दिलाने के लिए हरियाणा भारतीय जनता पार्टी भी पूरा जोर लगा रही है। हरियाणा में रह रहे बिहार राज्य के वोटर वोटिंग के समय बिहार अपनी-अपनी विधानसभा में पहुंचकर अपना वोट करें, इसके लिए हरियाणा भाजपा ने एक प्रोपर योजना बनाई है। मुख्यमंत्री नायब सैनी और प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली के नेतृत्व में भाजपा की पूरी टीम इस पर लगातार कार्य कर रही है। भाजपा के करीब 25 नेता फिलहाल बिहार में मौजूद हैं और एनडीए की जीत के लिए कार्य कर रहे हैं, जबकि हरियाणा में मौजूद बिहार के करीब दो से तीन लाख लोगों से संपर्क करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली के मुताबिक हरियाणा में रह रहे मूल रूप से बिहार निवासी एक लाख लोगों से संपर्क कर उनसे मीटिंग की जा चुकी है। बडौली के अनुसार बिहार के इन सभी लोगों में बिहार चुनाव में एनडीए को वोट करने के लिए उत्साह है।

बुधवार को चंडीगढ़ में सभी प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों, प्रभारियों, मोर्चा पदाधिकारियों और बिहार मूल के कार्यकर्ताओं की बैठक मुख्यमंत्री आवास पर बुलाया गई। मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता आदि की उपस्थिति में बिहार चुनाव और आने वाले दिनों में होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने सृष्टि के महान शिल्पी, देव वास्तुकार भगवान श्री विश्वकर्मा जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्री विश्वकर्मा जी से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने बैठक में आत्मनिर्भर भारत, माई भारत अभियान, एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान को लेकर भी पार्टी पदाधिकारियों के साथ व्यापक चर्चा की। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सरदार पटेल की 150वीं जयंती को भव्य बनाने का कार्यकर्ताओं से आह्वान किया। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भी सभी अभियानों को लेकर कार्यकर्ताओं को जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, सभी जिलों के जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, एक भारत श्रेष्ठ भारत की जिला एवं विधानसभा टोली के कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि बिहार चुनाव में हरियाणा भाजपा के 54 के करीब नेताओं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी गई है। उन्होंने कहा कि अभी और भी नेता बिहार चुनाव में प्रचार के लिए जाएंगे। श्री बड़ौली ने दावा करते हुए कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि एनडीए का चेहरा विकास है। एनडीए की सरकार में जो विकास हुआ है उसके बलबूते पर वोट मांग रहे हैं। एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वोट चोरी और एसआईआर जैसे मुद्दे फेल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता नकार चुकी है। श्री बड़ौली ने कहा कि बीजेपी पूरे देश को लेकर काम करती है, जबकि कांग्रेस परिवार को लेकर काम करती है। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर माई भारत अभियान के तहत सभी लोकसभाओं में तीन दिन यात्राएं निकाली जाएंगी। 31 अक्टूबर को हर जिला में रन फॉर यूनिटी का आयोजन होगा। 6 नवम्बर से 6 दिसम्बर तक आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत कार्यक्रम होंगें जिसमें भाजपा के कार्यकर्ता सरकार से साथ मिलकर मोदी और नायब सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेंगे। श्री बड़ौली ने कहा कि स्कूल कालेजों के युवा सरदार पटेल के सपनों और संकल्पों का भारत बनाने के लिए जिलों में 8 से 10 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। समाज का हर वर्ग इस यात्रा से जुड़ेगा। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरंतर सामाजिक क्षेत्रों में आत्मनिर्भर भारत की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। प्रधानमंत्री का आत्मनिर्भर भारत का आह्वान देशभर में विभिन्न आयामों में गूंज रहा है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी संकल्प एक नारा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत की नींव है। यह एक आह्वान है कि हम अपने देश में बने उत्पादों को अपनाए, अपनी संस्कृति को गले लगाएं, और अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करें। हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी हमारा मंत्र है, हमारा लक्ष्य है, और हमारी शक्ति है।

भगवान विश्वकर्मा हैं सृष्टि के रचयिता- ऊर्जा मंत्री अनिल विज

चंडीगढ़, । हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के रचयिता हैं। इससे पहले, धरती पर खाई, तूफान, जंगल, पेड़-पौधे होते थे, लेकिन भगवान विश्वकर्मा ने ही सृष्टि की रचना करते हुए इसे मनुष्य के रहने के लायक बनाया क्योकि वह सर्वव्यापी है, वो हर मनुष्य के जीवन में व्याप्त है।

मंत्री आज अंबाला के रामबाग रोड पर भगवान विश्वकर्मा दिवस के उपलक्ष्य में श्री गुरू विश्वकर्मा मदिर लेबर यूनियन द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज हम विश्व के सबसे बड़े शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा दिवस मनाने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। ये जो सारा ब्रम्हांड है, चल-अचल सम्पत्ति है और स्वर्ग का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने किया था क्योकि वह सर्वव्यापी है, वो हर मनुष्य के जीवन में व्याप्त है।

उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा से ही प्रेरणा लेकर हम इन सब कार्यों को करवाते हैं। विश्वकर्मा द्वारा बहुत सुंदर चीजें एवं कृतियां बनाई गई हैं। हम हैरान होते हैं कि कारीगरों ने सुंदर प्रतिमाएं कैसे बनाई, मगर इनके पीछे भी भगवान विश्वकर्मा होते हैं।

इस मौके पर श्री गुरू विश्वकर्मा मदिर लेबर यूनियन के प्रधान राजीव पंचाल, महासचिव मेहर सिंह सैनी व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री ने मैराथन खिलाड़ी सान्या को किया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने गोहाना स्थित रूखी गांव की रहने वाली सान्या पंचाल को भी स्मृति चिन्ह भेंटकर प्रोत्साहित किया। यहां बता दें कि सान्या पंचाल ने 98 दिन में जम्मू कश्मीर से कन्या कुमारी तक लगभग 4 हजार किलोमीटर मैराथन की है।

सांसद कुमारी सैलजा के पत्र पर की कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने फतेहाबाद की सेमग्रस्त भूमि सुधार पर दिया जवाब,

चंडीगढ़, । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा द्वारा फतेहाबाद जिले की सेमग्रस्त भूमि की समस्या को लेकर उठाए गए मुद्दे पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी पत्र (संख्या सीएमएच -2025/5428 दिनांक 14 अक्तूबर 2025) में मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कुमारी सैलजा को संबोधित करते हुए कहा है कि फतेहाबाद जिले के कई गांवों में सेमग्रस्त भूमि की स्थिति में सुधार हेतु राज्य सरकार गंभीर है और इस दिशा में पहले से किए जा रहे कार्यों को और गति देने के निर्देश जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा है कि कुमारी सैलजा द्वारा पूर्व में भेजे गए पत्र (दिनांक 16 मई 2025) में जिन गांवों बनमंदोरी, खाबर कलां, पिलनवासरी, बडोला तथा चंदल मोरी का उल्लेख किया गया था, वहां सोलर प्रचलित कम गहराई वाले ट्यूबवेल्स लगाकर भूमि सुधार कार्य पहले ही प्रारंभ किया जा चुका है। इस योजना से लगभग 10,000 एकड़ भूमि को पुन- कृषि योग्य बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने आगे कहा कि अब अगली कड़ी में खोदद, मोहम्मदपुर रोही, बिझुआ व भिखुपुर जाट्टी जैसे गांवों में भी सोलर ट्यूबवेल लगाने व नहरों से सिंचाई सुविधा के विस्तार के निर्देश संबंधित विभागों को दे दिए गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी 4 से 5 माह में सेमग्रस्त भूमि की समस्या में उल्लेखनीय सुधार होगा और प्रभावित किसानों को राहत मिलेगी। इस पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा सांसद कुमारी सैलजा द्वारा उठाए गए मुद्दों पर संवेदनशीलता से कार्रवाई जारी है। यह पत्र न केवल प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, बल्कि राजनीतिक रूप से भी यह संकेत देता है कि राज्य सरकार विपक्षी सांसदों द्वारा उठाए गए जनहित मुद्दों को भी गंभीरता से ले रही है।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने विश्वकर्मा दिवस पर भगवान श्री विश्वकर्मा को नमन किया

चंडीगढ़, हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने बुधवार को चंडीगढ़ स्थित राजभवन में विश्वकर्मा दिवस के पावन अवसर पर सृजन एवं शिल्पकला के दिव्य शिल्पकार और देवता भगवान श्री विश्वकर्मा को नमन किया। राज्यपाल के सचिव श्री डी.के. बेहेरा ने भी इस अवसर पर भगवान श्री विश्वकर्मा को नमन किया। माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने इस अवसर पर हरियाणावासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वकर्मा दिवस सभी को कौशल, नवाचार और समर्पण की भावना की याद दिलाता है जो एक प्रगतिशील और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक हैं। राज्यपाल ने शिल्पकारों, इंजीनियरों, वास्तुकारों और रचनात्मक व्यवसायों में लगे सभी लोगों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत और सरलता एक विकसित समाज की नींव रखती है। उन्होंने नागरिकों से भगवान विश्वकर्मा के आदर्शों से प्रेरणा लेने और उत्कृष्टता, निष्ठा एवं मानवता की सेवा के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करने का आग्रह किया। राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी समारोह में भाग लिया और भगवान श्री विश्वकर्मा को पुष्पांजलि अर्पित की।

भैया दूज का पर्व भाई-बहन के अटूट रिश्ते का उत्सव -डा. अर्चना गुप्ता

भाजपा प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता ने सीएम नायब सैनी को तिलक लगाकर मनाया भैया दूज का पर्व

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा की महिलाओं को लाड़ो लक्ष्मी योजना का नायाब तोहफा दिया -डा. अर्चना गुप्ता

चंडीगढ़, । भाजपा प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता ने बुधवार को मुख्यमंत्री आवास संत कबीर कुटीर चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को तिलक लगाकर भैया दूज का पर्व मनाया। इस मौके पर उन्होंने सीएम सैनी को मिठाई खिलाई और उनकी दीर्धायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। डा. अर्चना गुप्ता ने प्रदेशवासियों को भाई-दूज पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं भी दी। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भैया दूज का यह पर्व सौहार्द, स्नेह और संस्कार का सुंदर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार परिवार को एक साथ लाता है, भारतीय संस्कृति और मूल्यों को दर्शाता है साथ ही भाई-बहन के रिश्ते को और गहरा बनाता है। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय पर्व संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो भाई-बहन के पवित्र बंधन और उसके मूल्यों को बनाए रखता है। भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि नायब सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में अनेकों कदम उठाए हैं और योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाएं लगातार सशक्त हो रही है और सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि नायब सरकार ने दीनदयाल लाड़ो लक्ष्मी योजना का महिलाओं को ऐसा तोहफा दिया है जिससे महिलाएं और अधिक मजबूत होंगी। लाड़ो लक्ष्मी योजना के तहत अब महिलाओं को 2100 रुपये मिलने लगेंगे जिससे महिलाएं आर्थिक तौर पर सशक्त होंगी।

डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं के जन-जीवन में बदलाव लाने के लिए कई कल्याणकारी कार्य किए गए हैं। महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन वितरित किए गए। महिला सशक्तिकरण ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। भाजपा सरकार में महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता मिली है। महिला उद्यमिता को बढ़ावा दिया गया है। आज महिलाएं न केवल एविएशन, बल्कि विज्ञान, रक्षा, खेल और उद्यमिता जैसे हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं।

निजी स्कूल संघ का आरोप -आधा सत्र बीतने के बाद भी जारी नहीं हुई आरटीई फीस की राशि

चंडीगढ़, एजेंसी। प्राइवेट स्कूल संघ ने कहा है कि अगर सरकार निजी स्कूलों द्वारा निर्धारित फीस की अदायगी समय पर करे तो निजी स्कूल संचालक आरटीई के तहत 25 प्रतिशत की बजाय शत प्रतिशत ब'चों को फ्री पढ़ाने के लिए तैयार हैं। आधा सत्र बीत जाने के बाद भी अभी तक दाखिला देने वाले स्कूलों की प्रतिपूर्ति राशि जारी नहीं की गई है। प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने कहा कि हरियाणा निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत प्रारंभिक कक्षा में सभी मान्यता प्राप्त प्राईवेट विद्यालयों में 25 प्रतिशत सीटे गरीब ब'चों के दाखिले के लिए अनिवार्य की गई है। छह महीने बीत जाने के बाद भी अभी तक आरटीई के तहत दाखिले देने वाले स्कूलों को प्रतिपूर्ति राशि जारी नहीं की गई है और सीटें दिखाने के बाद भी स्कूलों पर जुर्माना लगाया जा रहा है। प्रांतीय महासचिव पवन राणा सालवन व रणधीर पूनिया टोहाना ने कहा कि 1680 अप्रकाशित सीटों वाले मान्यता प्राप्त स्कूल जिनकी मासिक फीस एक हजार रुपये तक है, उन स्कूलों पर ×0 हजार रुपये जुर्माना, तीन हजार तक फीस लेने वाले स्कूलों पर 70 हजार जुर्माना, छह हजार तक फीस लेने पर 100000 रुपये जुर्माना तथा छह हजार से अधिक फीस लेने वाले स्कूल की सूची बनाकर प्रमाण पत्रों सहित सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निदेशालय भेजनी होगी ताकि महानिदेशक मौलिक शिक्षा महोदय द्वारा उन्हें निजी सुनवाई का अवसर मिल सके। प्रेस सचिव सलिंदर शास्त्री जय सिंगपुरा व राजबीर ढाका रोहतक ने कहा कि 1128 मान्यता प्राप्त स्कूल जिन्हें डीईईओ द्वारा मान्यता व अन्य स्थिति के आधार पर अस्वीकृत किया गया ऐसे एक हजार रुपये तक फीस लेने वाले स्कूलों पर 5000 रुपये जुर्माना, एक हजार से दो हजार रुपये तक फीस लेने वाले स्कूलों पर 10000 रुपये जुर्माना, तीन हजार रुपये तक फीस लेने पर 15000 हजार रुपये जुर्माना तथा पांच हजार रुपये तक फीस लेने वाले स्कूलों की सूची बनाकर प्रमाण पत्रों सहित सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निदेशालय भेजनी होगी ताकि महानिदेशक मौलिक शिक्षा विभाग इन्हें भी निजी सुनवाई का अवसर दे सके।

भगवान विश्वकर्मा ही सृष्टि के रचयिता है, उन्होंने मनुष्य के रहने लायक धरती बनाई - ऊर्जा मंत्री अनिल विज

कोई शिल्पकार जब शिल्पकारी करता है तो वास्तव में शिल्पकार के अंदर का भगवान विश्वकर्मा काम करते हैं - अनिल विज

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी में विश्वकर्मा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते हुए मंदिर में माथा टेक भगवान विश्वकर्मा का आर्शीवाद लिया

चंडीगढ़, हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के रचयिता है तथा भगवान विश्वकर्मा ने ही मनुष्य के रहने के लायक धरती का निर्माण किया है। इससे पहले, धरती पर खाई, तूफान, जंगल, पेड़-पौधे होते थे लेकिन भगवान विश्वकर्मा ने ही सृष्टि की रचना करते हुए इसे मनुष्य के रहने के लायक बनाया क्योकि वह सर्वव्यापी है, वो हर मनुष्य के जीवन में व्याप्त है।

ऊर्जा मंत्री आज अंबाला के रामबाग रोड पर भगवान विश्वकर्मा दिवस के उपलक्ष्य में श्री गुरू विश्वकर्मा मदिर लेबर यूनियन द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने मंदिर में माथा टेककर भगवान विश्वकर्मा का आर्शीवाद प्राप्त किया।

परिवहन मंत्री अनिल विज ने इस मौके पर भगवान विश्वकर्मा दिवस बधाई देते हुए कहा कि आज हम विश्व के सबसे बड़े शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा दिवस मनाने के लिए यहा एकत्रित हुए है। विश्वकर्मा दिवस साल में दो बार मनाया जाता है, एक बार सितम्बर में तथा दूसरा दिपावली के अगले दिन मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सारे देश के शिल्पकार विश्वकर्मा दिवस बड़ी श्रद्धा के साथ मनाते है और इस दिन वह अपने औजारों की पूजा भी करते हैं। ये जो सारा ब्रम्हांड है, चल-अचल सम्पत्ति है और स्वर्ग का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने किया था क्योकि वह सर्वव्यापी है, वो हर मनुष्य के जीवन में व्याप्त है।

श्री विज ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा ने सृष्टि को बनाया है। किसी चीज को बनाने के लिए तीन चीजों की आवश्यकता होती है जिनमें सबसे पहली जगह होना, दूसरा रॉ मैटिरियल होना और तीसरा बनाने वाली शक्ति चाहिए। उन्होंने कहा कि धरती बनाने के लिए रॉ मैटिरियल कहां से आया है इसका उन्हें ज्ञान नहीं मगर, इसे बनाया भगवान विश्वकर्मा ने ही है। मनुष्य की हर चीज आवश्यकता जैसे घर, सडक़, स्कूल कॉलेज व अन्य को हम बनाते है, उस पर हमारे बोर्ड लग जाते है लेकिन वास्तव में यह सब चीजें विश्वकर्मा द्वारा बनाई गई है।

शिल्पकार जब शिल्पकारी करता है तो वास्तव में शिल्पकार के अंदर का भगवान विश्वकर्मा काम करते हैं ङ्क मंत्री अनिल विज: भगवान विश्वकर्मा से ही प्रेरणा लेकर हम इन सब कार्यों को करवाते हैं। विश्वकर्मा द्वारा बहुत सुन्दर चीजें एवं कृतियां बनाई गई है। हम हैरान होते हैं कि कारीगरों ने सुंदर प्रतिमाएं कैसे बनाई, मगर इनके पीछे भी भगवान विश्वकर्मा होते हैं। कोई मनुष्य जब भी कोई काम करता है/शिल्पकारी करता है तो वास्तव में उनके अंदर का विश्वकर्मा काम करता है। अम्बाला छावनी में भी शिल्पकारों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा, भगत सिंह व अन्य की प्रतिमाएं हैं। इतनी सुन्दर चीजें बनाई गई है वह सब विश्वकर्मा की देन है। श्रीमदभागवद् गीता जी में भी कहा गया है कि काम कर काम कर, कर्म का आधार ही गीता है। उन्होंने इस अवसर पर सभी को विश्वकर्मा दिवस की बधाई दी।

कार्यक्रम के दौरान श्री गुरू विश्वकर्मा मदिर लेबर यूनियन के पदाधिकारियों ने मुख्यअतिथि को स्मृति चिन्ह व शॉल भेंटकर उनका भव्य अभिनन्दन भी किया।

इस मौके पर श्री गुरू विश्वकर्मा मदिर लेबर यूनियन के प्रधान राजीव पंचाल, महासचिव मेहर सिंह सैनी, रणधीर पंचाल, अशोक, सुबेदार सतीश कुमार, कैप्टन प्रताप भीमरा, नप उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, रवि बुद्धिराजा, हर्ष बिंद्रा, प्रवेश शर्मा, बिजेन्द्र चौहान, बीएस बिंद्रा, आशीष अग्रवाल, बलित नागपाल, दीपक भसीन, इकबाल ढांडा के साथ-साथ यूनियन के अन्य पदाधिकारीगण व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री ने 4 हजार किमी. मैराथन करने वाली सान्या को किया सम्मानित: वहीं, कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने गोहाना स्थित रूखी गांव की रहने वाली सान्या पंचाल को भी स्मृति चिन्ह भेंटकर प्रोत्साहित किया। यहां बता दें कि सान्या पंचाल ने 98 दिन में जम्मू कश्मीर से कन्या कुमारी तक लगभग 4 हजार किलोमीटर मैराथन की हैं। मैराथन के दौरान अम्बाला आगमन पर सान्या पंचाल ने कैबिनेट मंत्री से मिलकर उनका आर्शीवाद भी लिया था। परिजनों ने आज कैबिनेट मंत्री से मिलकर उनका धन्यवाद किया।

संपादकीय

दिवाली-छठ पर घर लौटना बना 'मिशन इंपॉसिबल'

त्योहारों पर हर बार बड़ी संख्या में ट्रेनें चलाने की घोषणा कर दी जाती है। फिर भी यात्रियों को टिकट नहीं मिलता। हर वर्ष त्योहारों पर घर जाने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को जद्दोजहद करनी पड़ती है। जबकि सरकार यह दावा करती है कि यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलगाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई है। विशेष गाड़ियां भी चलाई जा रही हैं। फिर भी ये कम क्यों पड़ रही हैं? हालत यह है कि दीपावली और छठ से पहले देश के विभिन्न शहरों से अन्य दिशाओं खासकर पूरब या बिहार की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए टिकट हासिल करना युद्ध जीत लेने जैसा होता है। भारी संख्या में लोग किसी ट्रेन में टिकट न मिलने पर निराश होते हैं। यहां तक कि तत्काल कोटे में भी लोगों को सीट नहीं मिलती। इसके लिए जो नियम-कायदे अब बनाए गए हैं, उससे आमतौर पर साधारण यात्रियों को असुविधा ही हो रही है।दूसरी ओर मुंबई, पुणे, सूरत, बंगलुरु और दिल्ली जैसे बड़े शहरों से लखनऊ, पटना और कोलकाता जाने वाले विमानों का महंगा किराया विकल्पों को सीमित कर देता है। रेलवे ने प्रतीक्षा सूची के यात्रियों को राहत देने के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन जरूर किया है, लेकिन इसका असर नहीं दिख रहा है।त्योहारों पर हर बार बड़ी संख्या में ट्रेनें चलाने की घोषणा कर दी जाती है। फिर भी यात्रियों को टिकट नहीं मिलता। सवाल है कि बारह हजार से अधिक विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा के बावजूद यात्रियों के लिए आसानी से टिकट उपलब्ध क्यों नहीं है? खासतौर पर होली और दिवाली जैसे त्योहारों पर यह हर वर्ष की समस्या है। सरकार के सामने ऐसे मौके पर ट्रेनों की जरूरत का पूरा अनुमान और हिसाब होता है, मगर यह समस्या बदस्तूर कायम है। यह कड़वा सच है कि आज भी हजारों यात्री जान जोखिम में डाल कर सामान्य कोच से अपने घर जाते हैं।प्लेटफार्म पर कभी-कभी भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। जाहिर है, यात्रियों की संख्या के हिसाब से चलाई जा रही ट्रेनें पर्याप्त नहीं हैं। विकल्प के तौर पर कई लोग बसों से यात्रा करते हैं।

भाई दूज पर तिलक लगाने का शुभ मुहूर्त और महत्व

(ज्योति साह)

भाई दूज का त्योहार हर साल कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाती हैं। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से पूजा करने से भाइयों को लंबी आयु और तरक्की मिलती है। शास्त्रों में शुभ मुहूर्त में भाइयों को तिलक लगाने का खास महत्व बताया गया है। आइए जानें भाई दूज पर तिलक लगाने का शुभ मुहूर्त और पूजा विधि।

हर साल कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज का त्योहार मनाया जाता है। यह पर्व भाई-बहनों को समर्पित होता है। इस बार भाई दूज 23 अक्टूबर, आज गुरुवार के दिन मनाया जाएगा। इसी के साथ पंचदिवसीय त्योहार दिवाली का समापन भी हो जाएगा। भाई दूज के दिन बहनें अपने भाइयों को रोली और अक्षत लगाती हैं। साथ ही, उनकी लंबी उम्र व तरक्की की कामना करती हैं। शुभ मुहूर्त में भाई दूज की पूजा करने और तिलक लगाने का महत्व होता है।

इस साल कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 23 अक्टूबर को रहेगी। बता दें कि 22 अक्टूबर, बुधवार के दिन कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि का आरंभ रात में 8 बजकर 17 मिनट से हुआ। वहीं, 23 अक्टूबर को रात

10 बजकर 47 पर इसका समापन होगा। क्योंकि उदया तिथि 23 अक्टूबर को है। ऐसे में इसी दिन भाई दूज का त्योहार मनाया जाएगा।

भाई दूज पर तिलक लगाने का शुभ मुहूर्त: शुभ चौघड़िया मुहूर्त में भाई दूज मनाना सबसे शुभ माना जाता है। वहीं, अमृत चौघड़िया में भी भाई-बहन भाई दूज का पर्व मना सकते हैं।

शुभ चौघड़िया मुहूर्त = 12 बजकर 5 मिनट से लेकर 2 बजकर 54 मिनट तक: अमृत चौघड़िया मुहूर्त = 1 बजकर 30 मिनट से लेकर 2 बजकर 54 मिनट तक

शास्त्रों के अनुसार, शुभ चौघड़िया में दोपहर के वक्त भाई दूज मनाना सबसे उत्तम रहेगा। इसके अलावा, अमृत चौघड़िया में बहनों के हाथ से अन्न-जल लेना शुभ रहेगा। मान्यता है कि इससे अकाल मृत्यु का भय दूर होता है। साथ ही, भाई-बहन के रिश्ते मजबूत होते हैं।

भाई दूज 2025 पूजा की विधि: सबसे पहले भाई को पूर्व दिशा की तरफ और बहन को पश्चिम दिशा की तरफ मुख करके बैठना चाहिए। इसके बाद, शुभ मुहूर्त में पूजा शुरू करें। दोपहर में शुभ मुहूर्त भाई को एक आसन पर बिठाएं और उन्हें तिलक लगाएं। इस बात का ख्याल रखें कि छोटे भाई को अंगूठे से और बड़े भाई को अनामिका उंगली से दीपशिखा के प्रकार तिलक लगाना चाहिए।

इसके बाद, नारियल लेकर गोद में रखें और भाइयों को भोजन कराएं। तिलक लगाने और भोजन कराने के बाद भाइयों को अपनी बहनों को वस्त्र, उपहार देना चाहिए।

विधि-पूर्वक पूजा करने और तिलक लगाने से भाई की आयु और बल में वृद्धि होती है। साथ ही, जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

छठ पर्व करते हैं तो भाई दूज के दिन भूलकर भी नहीं करें ये काम, छठी मैया हो जाती हैं नाराज

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज का त्योहार मनाया जाता है। वहीं, कार्तिक मास के षष्ठी तिथि से छठ पर्व का आरंभ होता है। लेकिन कुछ ऐसी विशेष बातें हैं, जिनका ख्याल छठ पूजा करने वालों को भाई दूज यानी द्वितीया तिथि से ही रखना चाहिए। अगर आप छठ पूजा करते हैं या आपके परिवार में कोई महिला इस व्रत को करती है तो इस दिन भूलकर भी कुछ कार्य नहीं करने चाहिए। द्वितीया तिथि पर कुछ चीजें करना शुभ नहीं माना जाता है, इससे छठी मैया नाराज हो सकती हैं। तो आइए विस्तार से जानें की छठ करने वालों को भाई दूज पर क्या नहीं करना चाहिए।

द्वितीय तिथि पर न करें शुभ कार्य: ऐसी मान्यता है कि कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मृत्युदा तिथि कहा जाता है। इसमें कोई भी शुभ या पुण्य का कार्य करना वर्जित माना गया है। हालांकि, यह तिथि बुधवार के दिन पड़ने से इसे शुभदा माना जाता है। यानी शुभ फल देने वाली, लेकिन फिर भी द्वितीय तिथि पर कोई भी पुण्य या शुभ कार्य न करें। ऐसा करने से जातक को नुकसान उठाना पड़ सकता है। खासतौर पर छठ पर्व करने वालों को इस नियम का ख्याल रखना चाहिए।

छठ पर्व करने वाले न करें गेहूं को स्पर्श: अगर आप छठ पर्व करते हैं या आपके घर में यह त्योहार मनाया जाता है तो द्वितीय तिथि के दिन एक बात का विशेष ध्यान जरूर रखें। छठ पूजा में गेहूं को लेकर प्राचीन मान्यता चली आ रही है। इससे प्रसाद तैयार किया जाता है। ऐसे में इसकी पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जाता है। छठ मैया के व्रत में श्रद्धालुओं की आस्था है कि प्रसाद का गेहूं झूठा या गंदा न हो। उसे अच्छी तरह साफ करके प्रयोग किया जाता है। लेकिन इस कार्य को द्वितीय तिथि को भूलकर भी नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को छठ पर्व करने वालों को स्पर्श नहीं करना चाहिए, न उसकी महक लें और न उसे धोएं। यानी द्वितीय तिथि के दिन गेहूं से दूर रहना चाहिए।

छठ पूजा की खरीदारी करने से बचें: इस व्रत और त्योहार के लिए कई प्रकार की चीजों की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में लोग कुछ दिन पहले से ही छठ की खरीदारी में लग जाते हैं। लेकिन यह कार्य द्वितीय तिथि के दिन भूलकर भी न करें। मान्यता है कि भैया दूज पर छठ पूजा के प्रसाद की सामग्री नहीं खरीदनी चाहिए। क्योंकि इस दिन कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित माना गया है। ऐसे में इस दिन छठ पर्व के लिए प्रसाद, फलों आदि की खरीदारी करने से बचना चाहिए। अन्यथा छठी मईया नाराज हो सकती हैं।

छठ पूजा की तैयारी कब करें शुरू: इस साल छठ महापर्व 25 अक्टूबर, शनिवार को नहाय खाय के साथ शुरू होगा। ऐसे में अगर आपने सामग्री की लिस्ट बनानी शुरू कर दी है, तो इसकी खरीदारी द्वितीय तिथि के बाद करें। यानी आप छठ पूजा के लिए खरीदारी और उसकी तैयारी तृतीया तिथि से शुरू कर सकते हैं। इस दिन से आप गेहूं को धोना, सुखाना, प्रसाद की सामग्री खरीदना आदि कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं।

दीपावली भौतिक ही नहीं, आत्मिक उजाले का महापर्व

(ललित गर्ग)

देश दीपावली पर्व धूमधाम से मनाया गया। दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का प्रतीक बना।

दीपावली केवल दीपों का ही पर्व नहीं है बल्कि यह आत्मा के भीतर बसे अंधकार को मिटाने की साधना का अनुष्ठान है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो जन-जन के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का उजास फैलाती है। पांच दिवसीय इस उत्सव की श्रृंखला धनतेरस से आरंभ होकर भाई दूज तक चलती है, पर इसका अर्थ केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक यात्रा है। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, इसका धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। दीपावली का संदेश है कि सच्चा उजाला बाह्य नहीं, बल्कि भीतर में होना चाहिए। हमारी आंतरिक 'उज्ज्वलता' ही सच्ची 'धन्यता' है, वही हमारे कर्म, करुणा और विवेक का उजाला है। यह पंच दिवसीय पर्वों की श्रृंखला भीतर बसे अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और लोभ जैसे नरकासुरों को समाप्त करने का दुर्लभ अवसर है। दीपावली का मूल भाव है अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, नकार से स्वीकार की ओर बढ़ना। जब लाखों दीप जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, हृदयों को भी प्रकाशित करते हैं। प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, जीवन में धर्म के दीप जलते रहना है, बुझना नहीं।

दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मर्यादा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है। महावीर का निर्वाण केवल देह का अंत नहीं था, बल्कि आत्मा की पूर्ण जागृति का क्षण था, जब उन्होंने संसार के अंधकार में मोक्ष का शाश्वत दीप प्रज्वलित किया। बौद्ध परंपरा में यह दिन बुद्धत्व की स्मृति का प्रतीक है, वहीं सिक्ख परंपरा में यह दिन गुरु हरगोविंदजी के कारावास से मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब उन्होंने अन्य कैदियों को भी मुक्त कराया था। इन सभी प्रसंगों में एक अद्भुत एकता झलकती है-अंधकार से मुक्ति, ज्ञान से आलोक और अहंकार से आत्मा की ओर यात्रा। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात अन्धकार की ओर नही, प्रकाश की ओर जाओ, यह उपनिषदों की आज्ञा है।

दीपावली अब केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय पर्व बन गया है। दीपावली को विशेष रूप से हिंदू, जैन और सिख समुदाय के साथ विशेष रूप से दुनिया भर में मनाया जाता है- श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, नीदरलैंड, कनाडा, ब्रिटेन शामिल संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका। भारतीय संस्कृति की समझ और भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक प्रवास के कारण दीपावली मनाने वाले देशों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। कुछ देशों में यह भारतीय प्रवासियों द्वारा मुख्य रूप से मनाया जाता है, अन्य दूसरे स्थानों में यह सामान्य स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है।

दीपावली का एक और महत्त्वपूर्ण पहलू है गोवर्धन पूजा, जो प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। यह हमें सिखाती है कि समृद्धि केवल मनुष्य की मेहनत से नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा से भी मिलती है। गाय, अन्न, जल, वृक्ष, मिट्टी-सबका सम्मान ही सच्ची पूजा है। भाई दूज इस श्रृंखला का अंतिम दिन है, जो स्नेह और पारस्परिक विश्वास का दीप जलाता है। यह पर्व केवल बहन-भाई के संबंधों का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम, सहयोग और संरक्षण के भाव को पुष्ट करने का अवसर है। दीपावली का मूल भाव अंधकार दूर भगाना है। जीवन को सुख और समृद्धि की रोशनी से जगमग करना है। एक पौराणिक कथा के अनुसार विंष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कई लोग दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। आज दीपावली का स्वरूप भले ही भव्य और चकाचौंध से भरा हो, पर इसका सच्चा अर्थ है भीतर के दीप को जलाना। जैसे हम घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने मन की सफाई भी आवश्यक है। ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थ और असत्य का अंधकार मिटे, और उसकी जगह सच्चाई, सहिष्णुता, करुणा और सेवा का उजास फैले-यही दीपावली का सार है। महात्मा गांधी ने कहा था, सच्चा दीपक वही है जो अंधकार में राह दिखाए, न कि केवल सजावट बने। यदि हम एक दीप अपने भीतर जलाएं-मानवता का, विनम्रता का, और सहअस्तित्व का तो यही सबसे बड़ा पूजन होगा।

दीपावली का पर्व ज्योति का पर्व है। दीपावली का पर्व पुरुषार्थ का पर्व है। यह आत्म साक्षात्कार का पर्व है। यह अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। जो अपने भीतरी आलोक से आलोकित हो गए, वे सबके लिए आलोकमय बन गए।

ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वतः समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-'बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत'। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। युद्ध, आतंकवाद, भय, हिंसा, प्रदूषण, अनैतिकता, ओजोन का नष्ट होना आदि समस्याएँ इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी है। आखिर इन समस्याओं का जनक भी मनुष्य ही तो है। मनुष्य को मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता। दीपावली का संदेश सीमित नहीं है; यह हमें समाज, संस्कृति और मानवता के स्तर पर नया दृष्टिकोण देता है। यह केवल दीपों की पंक्तियाँ नहीं, बल्कि जीवन की दिशा है। हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि किसी और के जीवन को भी रोशन करेंगे। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकाश की सबसे बड़ी जीत तब होती है जब वह अंधकार के सबसे गहरे कोने में पहुँचता है। हरिवंश राय बच्चन के शब्दों में-दीप जलाओ लेकिन ऐसे, जिसमें धुआँ न हो; उजाला हो, पर अहंकार न हो।जब भीतर का दीप जलता है, तो बाहरी दीप स्वतः दीप्तिमान हो उठते हैं। दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर के ही नहीं, दीये भीतर के भी जलने चाहिए।

वर्ग पहेली 5890

1	2		■	3	4		5
6		■	7			■	
	■	8			■	9	
10			■		■		■
■	■	11					■
12	13		■		■	14	15
16		■	17	■	18	■	
	■	19		■	20		

संकेतः बाएं से दाएं

1. यह राष्ट्रगान प्रणेता देश है (3)
3. एशिया के इस जनतंत्रात्मक गणराज्य की राजधानी उलानबटोर है (4)
6. शरीर पर गहरे काले रंग का दाग (2)
7. उत्तरप्रदेश के 75 जिलों में से एक जिला जो यमुना नदी के किनारे बसा है (3)
8. किसी संस्था या कार्यालय के काम करने वाले लोग, कर्मचारी वर्ग (3)
9. पवित्र, पावन, निर्मल, निर्दोष (2)
10. उत्तरदायित्व लेना, रोके रहना (3)
11. 1958 में इंग्लिश चैनल तैरकर पार करने वाले प्रथम भारतीय (5)
12. क्षेत्र, रियासत, जमींदारी, जागीर (3)
14. वशवर्ती, माहमत, अधीन (2)
16. हुकुमत, प्रभुत्वकाल, राज्य व्यवस्था (2)
19. संबंध से, हेतु, वास्ते, लिए (2)
20. दुग्ध उत्पादन में इस देश का प्रथम स्थान है (3)

ऊपर से नीचे

1. जाति-पांति का रिवाज (4)
2. नाव के मस्तूल के सहारे ताना जाने वाला कपड़ा जिसमें हवा भरने से नाव चलती है, शामियाना, मेड़ (5)
3. कार्यारंभ के पूर्व की जाने वाली मंगल स्तुति मांगलिक मंत्र (6)
4. यह रवीन्द्रनाथ की प्रसिद्ध कृति है, गौर वर्ण वाला (2)
5. मांगने वाला, भिक्षुकुक, प्रार्थी, भिखारी (3)
7. इसे फलों का राजा कहा गया है (2)
8. अंगूठे से तीसरी उंगली, उपकनिष्ठिका (4)
12. विचार, इच्छा, प्रयोजन, संकल्प (3)
13. शर्म, हया, लज्जा (2)
15. यह लेबनान की राजधानी है (3)
17. प्रसिद्ध कृति डिवाइन कॉमेडी के लेखक (2)
18. तेजस्विता, रत्न गुण, सादृश्य आभास, दीप्ति (2)

वर्ग पहेली 5889 का हल

अ	मे	रि	का	■	आ	ह	■
शो	ला	■	त	प	न	■	श
क	■	स	ना	त	न	ध	र्मी
कु	मा	र	■	न	■	म	ला
मा	ल	■	का	शी	■	का	■
र	वा	नी	■	ल	ग	ना	■
■	ह	म	ल	■	द	■	■
मू	क	■	ब	हा	र	■	है

यूट्यूब : 21वीं सदी का न्यू कैरियर पथ

विजय गर्ग

अतीत में, कैरियर के सपने अक्सर पारंपरिक व्यवसायों तक सीमित थे - डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या वकील। लेकिन आज के डिजिटल युग में, कैरियर की परिभाषा नाटकीय रूप से बदल गई है। सबसे रोमांचक नई सीमाओं में से एक यूट्यूब है, जो एक साधारण वीडियो साझा करने वाली साइट से दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए पूर्णकालिक करियर गंतव्य बन गया है।

सभी के लिए एक मंच: यूट्यूब सभी को एक मंच देता है। चाहे आप गायक हों, शिक्षक हों, गेमर हों, कुक हो या कॉमेडियन, मंच दुनिया के साथ अपनी प्रतिभा साझा करने का एक स्थान प्रदान करता है। सबसे अच्छा हिस्सा आपको शुरू करने के लिए औपचारिक योग्यता या बड़े निवेश की आवश्यकता नहीं है। आपको केवल एक स्मार्टफोन, रचनात्मकता और सुसंगतता की आवश्यकता है।

शौक से लेकर पेशे तक: कई रचनाकारों के लिए जो शौक था, वह अब पूर्णकालिक व्यवसाय बन गया है। सफल यूट्यूबर्स कई चैनलों के माध्यम से कमाई करते हैं - विज्ञापन राजस्व, ब्रांड साझेदारी, सदस्यता, माल और लाइव स्ट्रीमिंग। कुछ निर्माता अपने स्टूडियो बनाने, टीमों को नियुक्त करने और यहां तक कि अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए भी पर्याप्त पैसा बनाते हैं।

प्रभाव की शक्ति: यूट्यूब प्रभावकार, या यूटीबर्स आज की मशहूर हस्तियां हैं। वे राय, रुझान और उपभोक्ता विकल्पों को आकार देते हैं। कई ब्रांड अब पारंपरिक विज्ञापनों की तुलना में यूट्यूबर्स के साथ सहयोग करना पसंद करते हैं क्योंकि दर्शकों को वे अधिक प्रासंगिक और प्रामाणिक लगते हैं। इसने एक संपूर्ण उद्योग बनाया है जिसे इन्फ्लूएंसर मार्केटिंग कहा जाता है।

शिक्षा और सशक्तिकरण: यूट्यूब केवल मनोरंजन के लिए नहीं है- यह एक शक्तिशाली शैक्षिक उपकरण भी है। कई शिक्षक और पेशेवर ज्ञान साझा करने, ट्यूटोरियल प्रदान करने और वैश्विक दर्शकों को कौशल सिखाने के लिए मंच का उपयोग करते हैं। कोडिंग से लेकर खाना पकाने तक, छात्र लगभग कुछ भी मुफ्त में सीख सकते हैं। इससे शिक्षा को लोकतांत्रिक बनाया गया है और मनोरंजन (शिक्षा + मनोरंजन) में नए कैरियर मार्ग बनाए गए हैं।

यूट्यूब कैरियर की चुनौतियां:= हालांकि, यूट्यूब यात्रा आसान नहीं है। इसमें धैर्य, अनुशासन और रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। प्रतिस्पर्धा तीव्र है, एल्गोरिदम बदलते रहते हैं और सफलता के लिए अक्सर वर्षों का प्रयास होता है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, ऑनलाइन आलोचना और सामग्री जलना रचनाकारों के लिए वास्तविक चुनौतियां हैं।

जुनून पर निर्मित भविष्य: चुनौतियों के बावजूद, यूट्यूब उन सपने देखने वालों को आकर्षित करता रहता है जो जुनून को पेशे में बदलना चाहते हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि हम काम को कैसे देखते हैं - जीवित रहने के लिए नहीं, बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति, स्वतंत्रता और प्रभाव की अनुमति देने वाले कार्य के रूप में। 21वीं सदी में, यूट्यूब सिर्फ एक मंच नहीं है - यह करियर क्रांति है। यह व्यक्तियों को उन तरीकों से बनाने, संवाद करने और कमाई करने में सक्षम बनाता है जो केवल एक दशक पहले कल्पना नहीं की जा सकती थीं। आज की पीढ़ी के लिए, यह स्पष्ट है- सफलता केवल कार्यालयों और डिग्री से ही नहीं आती - यह कैमरे, एक विचार और च्अपलोडज्ज को हिट करने की हिम्मत से भी आ सकती है।

आज का राशिफल

मेष

मेष : कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा।

वृष

वृष : आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी डिक्षचता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है।

मिथुन

मिथुन : व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

कर्क

कर्क : अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

सिंह

सिंह : नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

कन्या

कन्या : आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें।

तुला

तुला : लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

वृश्चिक : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा।

धनु

धनु : यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए।

मकर

मकर : मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

कुंभ

कुम्भ : आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा।

मीन

मीन : बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

दोस्त रूस को धक्का देकर भारत मंगाएगा अमेरिका से मक्का!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर व्यापक बातचीत चल रही है। सूत्रों के मुताबिक इस डील के बाद भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर लगने वाला 50 प्रतिशत का भारी टैक्स घटकर 15 प्रतिशत से 16 प्रतिशत रह सकता है। यह भारत के निर्यातकों के लिए बहुत बड़ी राहत की बात होगी। मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेड डील के तहत भारत रूस से तेल का आयात धीरे-धीरे कम करने पर सहमत हो सकता है। साथ ही अमेरिका से नॉन-जीएम मक्का और सोयाबीन खली का आयात बढ़ाने की अनुमति दे सकता है। रूस से कच्चे तेल की खरीद और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद रहे हैं।

रूस से कच्चा तेल खरीदने की वजह से अमेरिका ने भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है। रूस भारत का सबसे बड़ा क्रूड सप्लायर है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 34 प्रतिशत कच्चा तेल रूस से आयात करता है। हाल के दिनों में रूस से तेल की खरीद में गिरावट आई है जबकि अमेरिका से तेल और गैस की सप्लाई बढ़ी है। भारत की कुल तेल और गैस की जरूरत का लगभग 10 प्रतिशत अमेरिका से आता है।

टैरिफ विवाद जल्द सुलझने की उम्मीद

चीन का विकल्प

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका से नॉन-जीएम मक्का और सोयाबीन का इम्पोर्ट बढ़ाया जा सकता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है जब अमेरिका चीन से मक्के के निर्यात में आई भारी गिरावट के बाद नए खरीदार तलाश रहा है। साल 2022 में जहां चीन ने अमेरिका से 5.2 अरब डॉलर का मक्का खरीदा था, वहीं 2024 में यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 331 मिलियन डॉलर रह गया है। कुल मिलाकर अमेरिका के मक्के के निर्यात में भी 2022 में 18.57 अरब डॉलर से घटकर 2024 में 13.7 अरब डॉलर रह गया है। माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील की घोषणा इस महीने के अंत में होने वाले आसियान समिट के दौरान हो सकती है। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिस्सा लेने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत इथेनॉल के आयात की अनुमति देने और रूस से तेल की खरीद कम करने पर विचार कर रहा है। इसके बदले में अमेरिका से एनर्जी ट्रेड में कुछ रियायतें मिलने की उम्मीद है।

रूसी तेल पर डिस्काउंट

सरकारी तेल कंपनियों को कच्चे तेल की सोर्सिंग डाइवर्सिफाई करने और अमेरिका की ओर रुख करने की सलाह दी जा सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय अधिकारियों ने इस बारे में रूस को बता दिया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार रूसी तेल पर मिल रही छूट और कच्चे तेल के बेंचमार्क मूल्य के बीच का अंतर काफी कम हो गया है। 2023 में यह 23 डॉलर प्रति बैरल से अधिक था जो अक्टूबर में सिर्फ 2-2.5 डॉलर प्रति बैरल रह गया है। इससे मिडिल ईस्ट और अमेरिकी कच्चे तेल अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। रूसी तेल पर डिस्काउंट के कारण भारत को वित्तीय वर्ष 2025 में 3.8 अरब डॉलर की बचत हुई।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है। उसके साथ भारत आमतौर पर ट्रेड सरप्लस में रहता है। वित्तीय वर्ष 2025 में अमेरिका को भारत का निर्यात 86.51 अरब डॉलर रहा। इससे पहले भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के जल्द सुलझने की उम्मीद जताई थी। उन्होंने यह भी बताया था कि दोनों देशों के बीच 25 प्रतिशत के रेसिप्रोकल टैरिफ को घटाकर 10 से 15 प्रतिशत के बीच लाने पर बातचीत चल रही है।

दीवाली पर शॉपिंग का नया रिकॉर्ड, सरकारी खर्च से भी भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में दीवाली पर हुई शॉपिंग का नया रिकॉर्ड बन गया है। लोगों ने इस साल दीवाली पर कुल 6.05 लाख करोड़ रुपये किए, जो पिछले साल के मुकाबले 42 फीसदी अधिक है। यह आंकड़ा इसलिए खास है क्योंकि केंद्र सरकार का बजट 50 लाख करोड़ रुपये के करीब है। केवल वित्त और रक्षा

मंत्रालय का बजट छह लाख करोड़ से अधिक है, बाकी मंत्रालयों के बजट से दीवाली पर खर्च की गई रकम आगे निकल गई है।

पांच लाख करोड़ से अधिक के उत्पाद बिके– व्यापारियों के संगठन कैट ने मंगलवार को त्योहारी सीजन पर खरीद-बिक्री की रिपोर्ट जारी की। इसके अनुसार इस साल दीवाली पर 6.05 लाख करोड़ रुपये की बिक्री हुई है, जिसमें से 5.40 लाख करोड़ रुपये उत्पादों की बिक्री, जबकि 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से आए। पिछले साल दिवाली पर बिक्री 4.25 लाख करोड़ रुपये रही थी। कैट ने यह आंकड़ा देशभर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर जारी किया। इनमें राज्यों की राजधानियां और दूसरी एवं तीसरी श्रेणी के शहर शामिल हैं।

जीएसटी कटौती का दिखा असर– कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) कैट के मुताबिक, हाल ही में जीएसटी दरों में की गई कटौती का साफ असर उपभोक्ताओं के रुझान पड़ा है। जरूरी सामान के दाम घटने से उपभोक्ता त्योहार के दौरान अधिक खर्च के लिए प्रोत्साहित हुए। सर्वे में शामिल 72 प्रतिशत व्यापारियों ने दैनिक उपयोग की वस्तुओं, जूते, परिधान, कन्फेक्शनरी, घरेलू साजसज्जा और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों पर जीएसटी की दरों में कटौती को उच्च बिक्री का मुख्य कारण बताया।

गौतम अडानी का मास्टरस्ट्रोक! इस कंपनी ने किया एफडीआई में बड़ा योगदान

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल (सीडब्ल्यूआईटी) ने इस वर्ष पहले नौ महीनों में श्रीलंका के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सबसे अधिक योगदान किया। इसने अत्याधुनिक बंदरगाह बुनियादी ढांचे में 22.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। निवेश बोर्ड ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीडब्ल्यूआईटी, अडानी

इंटरनेशनल पोर्ट होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (भारत) और जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी द्वारा श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी के साथ साझेदारी में किया गया निवेश है।

क्या है डिटेल– निवेश बोर्ड (बीओआई) ने घोषणा की, ''बीओआई-अनुमोदित उद्यमों में निवेश के लिए विदेशी वाणिज्यिक ऋष्टा सहित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह जनवरी से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान 82.7 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया जो 2024 की इसी अवधि में 138 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।'' इसमें कहा गया कि सीडब्ल्यूआईटी ने ''रणनीतिक विकास समझौते के तहत अत्याधुनिक बंदरगाह अवसंरचना'' में 22.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है।

छोटे पैक में ज्यादा माल लेकिन दाम वही, अगले महीने से हो जाएगा ऐसा, सरकार की मिल गई हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। रोजमर्रा के कामकाज के दौरान आप कहीं दूसरे शहर गए हैं। सुबह नहाना है तो बाजार से एक या दो रुपये के शैम्पू के पाउच ले आए। दफ्तर से बाहर सड़क पर चाय पीने निकले तो साथ में 5 रुपये का बिस्कुट का छोटा पैक खरीद लिए। या फिर पांच या 10 रुपये वाला नमकीन का पैक ले लिए। आप भी ऐसा करते हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। इन सब पैक में अब पहले के मुकाबले ज्यादा सामान होंगे। जी हां, इनका वजन बढ़ा हुआ होगा। इसके पीछे जीएसटी दर में कटौती का सरकार का फैसला शामिल है।

सरकार से मिली है हरी झंडी– दरअसल, सकार ने बीते 22 सितंबर से जीएसटी के दरों में काफी कटौती की है। इससे छोटी पैकिंग वाले एफएमसीजी सामानों के दाम घट गए हैं। उदाहरण के लिए पहले पांच रुपये में जो क्क्षड्डह्यद्ग-त्न का पैक मिलता था, वह अब 4.45 रुपये का हो जाएगा। एक रुपये की कैंडी का दाम अब 88 पैसे रह जाएगी। इसी तरह दो रुपये का शैंपू पाउच का दाम अब 1.77 रुपये रह जाएगा। ऐसे में सामान बेचने वाले के साथ साथ आम जनता को भी दिक्त होगी। इसलिए एफएमसीजी कंपनियों ने सरकार के

अधिकारियों से मुलाकात की थी। सरकार ने कुछ बड़े एफएमसीजी कंपनियों को यह साफ कर दिया है कि वे दाम कम करने के बजाय अपने पैकेट का वज़न या मात्रा बढ़ा सकते हैं। यह फैसला गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स की दरें कम होने के बाद लिया गया है।

जीएसटी विभाग की हरी झंडी– हमारे सहयोगी ईटी की एक खबर के मुताबिक सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स के अधिकारियों ने एफएमसीजी कंपनियों के साथ हुई मीटिंग्स में मौखिक रूप से यह साफ कर दिया है कि वे पैकेट का वज़न या मात्रा बढ़ा सकते हैं। इस जानकारी के बाद, कंपनियां अगले एक-दो हफ्तों में नए पैकेट का उत्पादन शुरू कर देंगी। इन नए पैकेटों में उत्पादों की मात्रा 6-12 प्रतिशत तक बढ़ाई जाएगी, लेकिन दाम वही पुराने 2, 5, 10 और 20 वाले ही रहेंगे।

अगले महीने आ जाएगा नया पैक– भारत की सबसे बड़ी बिस्कुट बनाने वाली अग्रणी कंपनी पारले के वाइस प्रेसिडेंट मयंक शाह ने बताया, आने वाले कुछ दिनों में, कंपनियां पुराने दामों पर ही बढ़े हुए वज़न वाले नए पैकेट बाज़ार में ले आएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्नैक्स इंडस्ट्री में तो नए उत्पादन के साथ बढ़े हुए वज़न वाले पैकेट पहले से ही बनने शुरू हो गए हैं, क्योंकि इन उत्पादों के पैकेट में ज्यादा बदलाव की जरूरत नहीं पड़ती। मयंक शाह ने आगे कहा, दूसरी तरह के उत्पादों के लिए, पैकेट के साइज़ में कुछ बदलाव करने होंगे। उस पर काम चल रहा है और उसके बाद नया उत्पादन शुरू होगा। उन्होंने बिस्कुट के बारे में बताया कि उनके पैकेट का वज़न 11-12 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा।

पानी की बोतलें भी होंगी सस्ती

देश की सबसे बड़ी पैक्ड पानी बनाने वाली कंपनी, बिसलेरी इंटरनेशनल के चीफ एग्जीक्यूटिव एंजेलो जॉर्ज ने कहा कि यह बस कुछ ही समय की बात है जब कंपनियां बढ़े हुए वज़न के साथ पुराने दामों पर वापस आ जाएंगी। उन्होंने कहा, अभी के दाम ग्राहकों के लिए सुविधाजनक नहीं हैं। यह भी बताया गया है कि जीएसटी दरें कम होने के बाद सभी कंपनियों ने अपने उत्पादों के दाम कम कर दिए थे। पार्ले का 5 वाला पार्ले-जी बिस्कुट का पैकेट 4.45 का हो गया था। भारत की सबसे बड़ी कन्फेक्शनरी कंपनी, मोंडेलेज़ ने भी अपने सभी उत्पादों के दाम बदले थे। जैसे, बॉर्नविटा 30 से 26.69 का हो गया था, ओरियो कुकीज़ 10 से 8.90 की हो गई थीं, और 20 वाले जेम्स और 5स्टार के पैकेट 17.8 के कर दिए गए थे। बिसलेरी ने भी 500 द्वद्य पानी की बोतल 10 से 9 की कर दी थी और एक लीटर वाली बोतल 20 से 18 की कर दी थी।

किराना दुकानों का हाल

हालांकि, कई किराना दुकानों ने इन नए दामों को संभालने में थोड़ी मुश्किल दिखाई। कुछ दुकानों ने तो दाम को राउंड ऑफ कर दिया, यानी 4.45 की जगह 4 या 5 ले लिए। कुछ ने तो बदले में टॉफी या बिस्कुट जैसी छोटी चीजें दे दीं। लेकिन, जो लोग यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसे डिजिटल पेमेंट सिस्टम से भुगतान कर रहे थे, उनसे दुकानों ने सही दाम ही लिए। बड़े रिटेल चेन और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने भी अपने दाम अपडेट कर दिए थे।

ज्वेलरी, केमिकल और एनर्जी सेक्टर...7 कंपनियों के आईपीओ को सेबी ने दी हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में कई कंपनियों के आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। ये कंपनियां ज्वेलरी से केमिकल और एनर्जी सेक्टर की हैं। ये कंपनियां- पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी, सुदीप फार्मा, रेजोन सोलर, शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज, सेफेक्स केमिकल्स, एग्कॉन इक्विप्मेंट्स इंटरनेशनल और एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (एआरसीआईएल) हैं। आइए डिटेल में जान लेते हैं।

पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी का आईपीओ– पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी ने 450 करोड़ के अपने नियोजित आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी प्राप्त कर ली है। इस आईपीओ में केवल एक नया इश्यू शामिल होगा। पुणे स्थित यह कंपनी पूरे महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में अपनी प्रीमियम हीरे और सोने की खुदरा उपस्थिति का विस्तार करना चाहती है। इसके अलावा, गुजरात स्थित सुदीप फार्मा को भी अपने आईपीओ के लिए नियामकीय मंजूरी मिल गई है। इस पेशकश में लगभग 95 करोड़ के नए शेयर जारी करने के साथ-साथ मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश भी शामिल है।

लॉजिस्टिक्स फर्म को मंजूरी

दूसरी ओर, लॉजिस्टिक्स फर्म शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज, जिसे फ्लिपकार्ट और मिराए एसेट का समर्थन प्राप्त है, ने इस महीने की शुरुआत में सेबी को अपने प्री-आईपीओ दस्तावेज जमा किए थे। इसके अतिरिक्त, एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड भी शामिल है, जो पूरी तरह से बिक्री-प्रस्ताव जारी करने का इरादा रखती है। मुंबई स्थित और भारतीय स्टेट बैंक तथा आईडीबीआई बैंक द्वारा समर्थित इस कंपनी में मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी कम करेंगे, जो कई वर्षों में भारत के संकटग्रस्त परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र का पहला आईपीओ हो सकता है।

एनर्जी कंपनी का भी आ रहा आईपीओ

रेजोन सोलर ने अपने 1,500 करोड़ के आईपीओ के लिए सेबी से मंजूरी प्राप्त कर ली है, जिससे यह इस साल स्वच्छ ऊर्जा निर्माण क्षेत्र में सबसे बड़े आईपीओ में से एक बन गया है। नियामक ने बनयानट्री कैपिटल द्वारा समर्थित एक प्रमुख कृषि रसायन उत्पादक, सेफेक्स केमिकल्स इंडिया के लिए एक नए-सह-बिक्री-प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। गुरुग्राम की एक कंपनी, एग्कॉन इक्विप्मेंट्स इंटरनेशनल को 330 करोड़ के आईपीओ के लिए मंजूरी मिल गई है, जिसका उपयोग नई मशीनरी खरीदने और कर्ज कम करने के लिए किया जाएगा।

सत्य नडेला को मिली रिकॉर्ड 849 करोड़ सैलरी, एआई ग्रोथ के बीच ऐतिहासिक उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्य नडेला की कुल सैलरी 96.5 मिलियन डॉलर (करीब 849 करोड़) तक पहुंच गया। यह उनके अब तक के करियर का सबसे ऊंचा स्तर है। कंपनी ने इस वृद्धि का श्रेय कृत्रिम बुद्धिमत्ता में अभूतपूर्व प्रगति को दिया है।

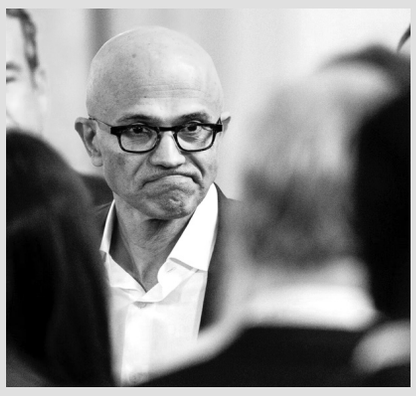

प्रदर्शन-आधारित वेतन का रिकॉर्ड– ब्लूमबर्ग के मुताबिक कंपनी के नए प्रॉक्सी फाइलिंग में बताया है कि नडेला का वेतन पिछले वर्ष के 79.1 मिलियन डॉलर से 22 प्रतिशत बढ़ा है। इसमें से लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा शेयरों के रूप में दिया गया है। उनका बेसिक वेतन 2.5 मिलियन डॉलर है, जबकि करीब 9.5 मिलियन डॉलर नकद बोनस के रूप में मिला। माइक्रोसॉफ्ट के

निदेशक मंडल ने कहा कि नडेला के कुल पारिश्रमिक का 95 प्रतिशत हिस्सा परफॉर्मेंस-आधारित है, जो कंपनी के मुनाफे और शेयर रिटर्न से जुड़ा है। माइक्रोसॉफ्ट की आय वर्ष 2025 में 15 प्रतिशत बढ़कर 281.7 बिलियन डॉलर पहुंच गई, जबकि शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 101.8 बिलियन डॉलर रहा। कंपनी के शेयर भी इस साल अब तक 23 प्रतिशत उछले हैं, जो रुक्क500 इंडेक्स की 15 प्रतिशत बढ़त से अधिक है।

शीर्ष अधिकारियों के वेतन में भी उछाल– कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी एमी हुड की कुल कमाई 29.5 मिलियन डॉलर दर्ज की गई, जबकि नई कमर्शियल डिवीजन प्रमुख जडसन अलथॉफ को 28.2 मिलियन डॉलर का वेतन पैकेज मिला।

नडेला का जीवन परिचय

हैदराबाद में जन्मे सत्य नडेला ने 1988 में मैंगलोर यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया। इसके बाद उन्होंने अमेरिका जाकर यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिनङ्घमिलवॉकी से 1990 में कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स किया। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सन माइक्रोसिस्टम्स से की, लेकिन 1992 में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ने के बाद उन्होंने ऑपरेटिंग सिस्टम में योगदान दिया। धीरे-धीरे वे क्लाउड और सर्वर डिवीजन के प्रमुख बने और फिर 2014 में माइक्रोसॉफ्ट के तीसरे सीईओ बने। उनके नेतृत्व में माइक्रोसॉफ्ट ने न केवल अपनी खोई प्रतिस्पर्धा फिर पाई बल्कि दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में से एक बन गई। इस वर्ष उनकी आय का रिकॉर्ड यह दिखाता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश ने कंपनी को नए युग में पहुंचा दिया है।

स्विगी से मंगाया मटर मशरूम डिलीवर हुआ तंदूरी चिकन क्लासिक

नई दिल्ली, एजेंसी। आप शाकाहारी हैं। दिवाली के दिन आप किसी अच्छे रेस्टोरेंट का खाना मंगाना चाहते हैं। स्विगी से आर्डर भी प्लेस कर देते हैं। लेकिन आपको डिलीवरी ब्वॉय जो खाना डिलीवर किया वह शाकाहारी नहीं मांसाहारी हो, तो फिर क्या हो ऐसा ही कुछ कोलकाता में रहने वाले सुमित अग्रवाल के साथ हुआ। उन्होंने इस बावत लिंक्डइन पर एक पोस्ट लिखा है।

पूरा परिवार हिल गया– पश्चिम बंगाल के एक लिंक्डइन यूजर, सुमित अग्रवाल, ने दिवाली के मौके पर स्विगी से हुए एक ऑर्डर की गलती के बारे में बताया है। उसका कहना है कि स्विगी की यह गलती उनके परिवार को हिलाकर रख दिया। सुमित ने बताया है कि उन्होंने रंग दे बसंती ढाबा से मटर मशरूम ऑर्डर किया था। लेकिन, उन्हें तंदूरी चिकन क्लासिक डिलीवर हुआ। सुमित ने यह भी बताया कि उनका परिवार मारवाड़ी है और उन्होंने बताया कि इस घटना से उनके परिवार वालों पर क्या बीती।

सिर्फ डिलीवरी की गलती नहीं– उन्होंने लिखा, यह सिर्फ एक डिलीवरी की गलती नहीं है। यह भावनात्मक आघात है।

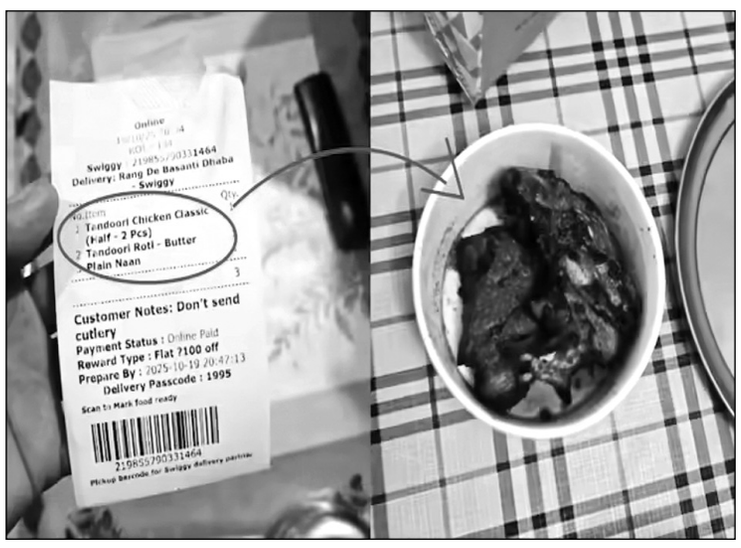

मेरी मां, जो शादी के बाद से शुद्ध शाकाहारी रही हैं, वे बुरी तरह हिल गईं। सोचिए, पूजा के बाद आप अपना खाना खोलें, एक शाकाहारी व्यंजन की उम्मीद कर रहे हों - और आपको मांस मिले। वह सदमा। वह अविश्वास। और उसके बाद की खामोशी। सुमित ने इस बात पर जोर दिया कि यह घटना इसलिए गंभीर है क्योंकि खाना सिर्फ खाना नहीं होता। उन्होंने कहा, हममें से कई लोगों के लिए, खाना सिर्फ खाना नहीं है। यह आस्था, पवित्रता और परंपरा की अभिव्यक्ति है। यह वह तरीका है जिससे हम अपनी मान्यताओं का सम्मान करते हैं। मैं समझता हूँ कि गलतियाँ होती हैं। लेकिन कुछ गलतियाँ बहुत अलग तरह से चोट पहुँचाती हैं - क्योंकि वे भावनात्मक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार कर जाती हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं यह गुस्से में नहीं बता रहा हूं। मैं यह इसलिए बता रहा हूँ क्योंकि मुझे उम्मीद है कि स्विगी और रंग दे बसंती ढाबा इसे गंभीरता से लेंगे।

भोजन बेहद व्यक्तिगत मामला– सुमित ने इस घटना को भारत में खान-पान और आहार संबंधी परंपराओं के बड़े संदर्भ से भी जोड़ा। उनके अनुसार, ऐसी गलतियों का व्यक्तिगत स्तर पर गहरा असर पड़ता है, जिसके कई कारण हैं। उन्होंने समझाया, हम एक विविध देश में रहते हैं - जहाँ आस्था और भोजन बहुत व्यक्तिगत होते हैं, और उस विविधता का सम्मान करना महत्वपूर्ण है। समावेशिता सिर्फ पहुंच के बारे में नहीं है। यह सांस्कृतिक संवेदनशीलता के बारे में भी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसा किसी और परिवार के साथ न हो। उन्होंने कहा, क्योंकि कभी-कभी, जो आपकी प्लेट में परोसा जाता है, वह स्वाद से कहीं ज़्यादा चोट पहुंचा सकता है। यह सिर्फ़ खाने की बात नहीं है। यह आस्था और सम्मान की बात है।

3 बार बोनस शेयर का तोहफा, नवरत्न कंपनी ने 1 लाख रुपये के बना दिए 1 करोड़ रुपये– नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने 10 साल में ही अपने शेयरधारकों को मालामाल कर दिया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों ने पिछले 10 साल में 1 लाख रुपये के निवेश को 1 करोड़ रुपये से ज्यादा बना दिया है। कंपनी के शेयरों ने यह कमाल बोनस शेयरों के दम पर दिखाया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने दस साल से थोड़े ज्यादा समय में अपने निवेशकों को 3 बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 31 जुलाई 2015 को 40.27 रुपये पर थे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा

खुली निविदा संख्या 37–अम्बाला/2025–26 दिनांक 21.10.2025

वरिष्ठ मंडल अभियंता-समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को 15:00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (Rs.)	अग्रिम राशि (Rs.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1	सीनियर एडीईएन/सीडीजी के अधीन अवधि के लिए एसएसई/डब्लू-II/सीडीजी के अनुभाग में यूएमबी-केएलके अनुभाग (सीडीजी को छोड़कर) के लिए जोन बी के अंतर्गत स्टाफ क्वार्टरों और सेवा भवनों की वार्षिक मरम्मत, सफेदी, सी/वाशिंग और पेंटिंग।	1,00,04,847	2,00,000	08 महीने	13.11.2025
2	केसरी रेलवे स्टेशन पर उच्च स्तरीय प्लेटफार्म संख्या 1 एवं 2 का प्रावधान।	4,08,03,618	3,54,000	08 महीने	13.11.2025
3	अंबाला स्टेशन पर लाइन संख्या 2 और 6 (1165) पर गिट्टी रहित ट्रैक का प्रावधान।	7,88,62,891	5,44,300	06 महीने	13.11.2025
4	एडीईएन/एसआरई के अंतर्गत एसएसई/पी-वे/वाईजेयूडी के खंड में एसआरई/यूएमबी खंड पर पीक्यूआरएस द्वारा टीएसआर (पी)-10.059 टीकेएम और अन्य संबंधित कार्य।	1,17,19,604	2,08,600	12 महीने	13.11.2025
5	ADEN/TRACK/UMB के अधीन अंबाला मंडल में फ्लैश बट वेल्ड्स (एफबीडब्ल्यू) के लिए Phased Array Ultrasonic Testing (PAUT)	1,08,90,788	2,04,500	12 महीने	13.11.2025

नोट :– 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेंटों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट **IREPS** पर अपलोड करनी जरूरी है। 2. अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैकिंग/गेटवे पेमेंट के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। 3. निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लोग ऑन करें। 4. ठेकेदार को ई–निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास–।।।) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। 5. जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी।

3270/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

जगत में बनाएं कॅरियर

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अधिकारी का काम व्यापार का विकास और दो देशों के बीच गुड्स एंड सर्विसेज के लेन-देन और गठजोड़ को बढ़ावा देना होता है। जिस कंपनी के लिए आप काम कर रहें है उस पर ग्लोबलाइजेशन का क्या प्रभाव पड़ रहा है यह भी देखना अधिकारी की जिम्मेदारी होती है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अधिकारी अपने क्लाइंट्स को विदेशी व्यापारों की स्टेटिस्टिक्स, भविष्य के अनुमानों और व्यापार में निवेश के विषय में जानकारी प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आज के ग्लोबलाइजेशन की दुनिया में सबसे प्रमुख उद्योगों में से एक बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं या क्षेत्रों के आर-पार पूंजी, माल और सेवाओं का आदान-प्रदान करना होता है। यह करियर अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग के अंतर्गत आता है और जिस भी कैंडिडेट को बैंकिंग फील्ड में रूचि है वह इस क्षेत्र में एक अच्छा करियर बना सकते हैं।

नेचर ऑफ़वर्क - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अधिकारी का काम व्यापार का विकास और दो देशों के बीच गुड्स एंड सर्विसेज के लेन-देन और गठजोड़ को बढ़ावा देना होता है। जिस कंपनी के लिए आप काम कर रहें है उस पर ग्लोबलाइजेशन का क्या प्रभाव पड़ रहा है यह भी देखना अधिकारी की जिम्मेदारी होती है। एक व्यापार अधिकारी अपने नीचे काम रहे लोग जो व्यापार प्रक्रिया का निरिक्षण, जांच और लेखापरीक्षा करते हैं उनकी भी देख-रेख करता है और साथ ही असिस्टेंट ट्रेड कमिश्नर्स और बंदरगाह के डायरेक्टर्स के साथ काम करता है।

पाठ्यक्रम के बारे में - ग्लोबल पीजी डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनेंस एक वर्ष का कोर्स है। इसके तहत बैंकिंग ऑपरेशंस, धन प्रबंधन, ट्रेड फाइनेंस, फोरेक्स, फाइनेंस एसएमई जैसे विषय पढ़ाया व सिखाया जाता है। इस कोर्स में स्टूडेंट्स कंप्यूटर की बेसिक जानकारी के साथ, व्यापार संचार और शेयर बाज़ार में किस तरह काम होता है उसका प्रशिक्षण दिया जाता है।

योग्यता - स्नातक और किसी भी स्ट्रीम से अंतिम वर्ष के छात्र बैंकिंग और फाइनेंस के कोर्स में आवेदन कर सकते हैं और इंटरनेशनल ट्रेड ऑफिसर बनने की राह में अपना पहला कदम रख सकते हैं। जिन विद्यार्थी के स्नातक में कम से कम 50 प्रतिशत है वह भीं इस कोर्स में आसानी से आवेदन कर सकते हैं।

अवसर - इस कोर्स के पूरा होने के बाद कैंडिडेट बड़ी कंपनियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आयात और निर्यात के विभागों में एक ऑफिसर के पद के लिए आवेदन कर सकता है। कैंडिडेट विदेशी मंत्रालय में भी नौकरी के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। विदेशी भाषाओँ का ज्ञान होना जरुरी नही होता पर फिर भी अगर आपको आती है है तो ये आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

आमदनी - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में रूचि रखने वाले लोग इसमें अपना अच्छा भविष्य बना सकते हैं। एक इंटरनेशनल ट्रेड ऑफिसर की न्यूमतम सैलरी 40 से 50 हजार होती है और तजुर्बे के साथ साथ जिसमे इजाफा होता रहता है।

देश-विदेश में आउटसोर्सिंग के लिए बढ़ रही है टेक्सटाइल डिजाइनरों की मांग

काम की दृष्टि से देखें तो टेक्सटाइल उद्योग 1980 से अब तक एक लंबा सफर तय कर चुका है। तब आप या तो एक छोटे से डिजाइन स्टुडियो के लिए काम कर सकते हैं, जो उसे टेक्सटाइल मिलों को ही भेजता था या आप मिल में ही काम पा सकते हैं। चुनौती, डिजाइन की पेपर ड्राइंग तैयार करने तक ही सीमित हैं, आप नहीं जानते कि आपकी रचना किस रूप में सामने आएगी। बुनाई, रंगाई, प्रिंटिंग और कढाई जैसे कौशल से फैब्रिक को कई रूपों में गढ़ा जा सकता है। यही विविधता टेक्सटाइल डिजाइनरों को रोमांचित करती है।

कहां हैं केन्द्र

कॉरपोरेट ऑफिस और डिजाइनर स्टूडियो शहरों में स्थित हैं, लेकिन असल गतिविधियां तो करूर, पानीपत, कुन्नूर जैसे कस्बों में स्थित फैक्टरियों, हथकरघे और हस्तशिल्प केन्द्रों में हो रही हैं जहां परंपरागत शिल्प के अनुसार काम किया जाता है। होम फर्नीशिंग का कलेक्शन तैयार किया जाता है, वह विदेशों में लगातार बिकता है।

बनाएं करियर

एक टेक्सटाइल डिजाइन प्रोग्राम आपको डिजाइन के तकनीकी और रचनात्मक पहलुओं में प्रशिक्षित करेगा। एक प्रतिष्ठित संस्थान से टेक्सटाइल डिजाइन प्रोग्राम पास करने वाले उम्मीदवार को पहली ही नौकरी में 20,000 से 30,000 रूपए मासिक वेतन मिल सकता है। तो पोलिटेक्निक से कोर्स करने वाला छात्र एक्सपर्ट हाउस जैसे संस्थानों में 8,000 रुपए से शुरूआत कर सकते हैं। काम की दृष्टि से देखें तो टेक्सटाइल उद्योग 1980 से अब तक एक लंबा सफर तय कर चुका है। तब आप या तो एक छोटे से डिजाइन स्टुडियो के लिए काम कर सकते हैं, जो उसे टेक्सटाइल मिलों को ही भेजता था या आप मिल में ही काम पा सकते हैं। चुनौती, डिजाइन की पेपर ड्राइंग तैयार करने तक ही सीमित हैं, आप नहीं जानते कि आपकी रचना किस रूप में सामने आएगी।

फुलटाइम जॉब

टेक्सटाइल डिजाइन ग्रेजुएट्स, एक्सपोर्ट हाउस, बाइंग (खरीदार) हाउस, टेक्सटाइल मिल, हैंडलूम मिल में फुलटाइम नौकरी कर सकते हैं या फिर फैशन डिजाइनरों, डिजाइन स्टुडियो या बाइंग एजेंसी के लिए काम कर सकते हैं। हमें स्थानीय बाजार से फैब्रिक खरीदना पड़ता था, उसके अनुसार डिजाइन तैयार करने पडते हैं, कढाई करवानी पड़ती और कलेक्शन से मैच करते पैटर्न प्रिंट करने पडते, उसके बाद ही अच्छा उत्पाद तैयार हो पाता है।

कई एक्सपोर्ट हाउस अपने डिजाइनरों को भारत और विदेशों में डिजाइन ईवेंट्स और प्रदर्शनियों में जाने का भी अवसर देते हैं। घरेलू बाजार में टेक्सटाइल डिजाइनरों की मांग है ही, विदेशों में आउटसोर्सिंग के लिए डिजाइनरों की मांग बढ़ रही है।

कारीगरों से संपर्क भी जरूरी

कारीगरों के साथ काम टेक्सटाइल डिजाइनरों के काम का एक अन्य पहलू है। कलाकारों से संपर्क बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है इससे समस्या सुलझने वाले अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्हें बाजार संबंधी जानकारी देना आपका भी काम है। यदि आप चुनौतियां स्वीकार नहीं करते तो डिजाइन प्रोफेशन आपके लिए है ही नहीं।

कहां से करें कोर्स

टेक्सटाइल डिजाइन कोर्स कक्षा 12 के बाद डिजाइन संस्थानों द्वारा करवाया जाने वाला चार वर्षीय अंडरग्रेजुएट कोर्स है। चयन प्रेक्टिकल स्टुडियो टेस्ट और इंटरव्यू के जरिए होता है, डिजाइन कैरियर में आपका एप्टीट्यूड, रूचि और मोटीवेशन का स्तर आंका जाता है। फैब्रिक, शिल्प या संबंधित पहलुओं का अनुभव जरूरी है। रचनात्मकता दर्शाने के लिए आपको पोर्टफोलियो भी तैयार करना पड़ सकता है। कोर्स में पहले साल बुनियादी डिजाइन कोर्स कराया जाता है, इसके अलावा छात्र स्पेशलाइजेशन के क्षेत्रों से परिचित होते हैं। पाठ्यक्रम प्रोजेक्ट्स से जुडा होता है और टेक्सटाइल के सारे पहलू इसमें शामिल होते हैं, मसलन, वीविंग (बुनाई), प्रिंटिंग, रंगाई और विभिन्न उपयोगों के लिए फैब्रिक तैयार करना। स्टुडेंट्स एक्सचेंज प्रोग्राम भी समृद्ध अनुभव करवाने वाले होते हैं।

पीजी के लिए योग्यता

आपने किसी संबंधित स्ट्रीम से ग्रेजुएशन किया है, तो टेक्सटाइल का ज्ञान अर्जित करने के लिए पीजी कर सकते हैं। एनआईडी में पीजी प्रोग्राम के लिए योग्यताएं हैं-बीएफए, डिजाइन डिग्री इन टेक्सटाइल, निटवियर या फैशन, टेक्सटाइल्स के साथ होम साइंस, इंटीरियर डिजाइन एंड आर्किटेक्चर, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में स्पेशलाइजेशन वाली इंजीनियरिंग डिग्री कर चुके भी पीजी प्रोग्राम कर सकते हैं। अन्य विषय में ग्रेजुएट्स को टेक्सटाइल्स उद्योग में एक साल का अनुभव है तो यह पीजी प्रोग्राम कर सकते हैं।

और भी हैं रास्ते

आप टेक्सटाइल डिजाइन में स्पेशलाइजेशन के साथ बैचलर इन फाइन आर्ट्स भी कर सकते हैं, इस कोर्स का फोकस तकनीकी कौशल पर होता है। लेकिन डिजाइन संस्थानों और फाइन आर्ट्स कॉलेजों में सीटें सीमित होती हैं। एक अन्य रास्ता है, बीएससी इन होम साइंस जिसमें टेक्सटाइल भी एक विषय होता है। मिसाल के तौर पर लेडी इरविन कॉलेज बीएससी इन होम साइंस प्रोग्राम में फैब्रिक एंड एपेरल साइंस की भी पेशकश करता है। इसके अलावा फैब्रिक एंड एपेरल साइंस में एमएससी भी उपलब्ध है। दुर्भाग्य से होम साइंस कोर्स महिलाओं के लिए ही है। पोलिटेक्निक और क्राफ्ट्स इंस्टीट्यूट भी ऐसे प्रोग्राम की पेशकश करते हैं। कई डिजाइन और छोटे स्टुडियो इन संस्थानों से सहायकों का चयन करते हैं। नियुक्ति पार्ट टाइम या प्रोजेक्ट के आधार पर होती है। आप कोई भी रास्ता अपनाएं, रचनात्मकता, टेक्सटाइल के लिए जुनून और अधिक से अधिक सीखने की लगन आपको दूसरों से आगे ले जाएगी।

उद्यमी भी बन सकते हैं

टेक्सटाइल डिजाइनर बनने के बाद आपके लिए उद्यमी बनने के भी रास्ते खुले हैं। आप अपना डिजाइन स्टूडियो खोलकर डिजाइनरों की सेवाएं ले सकते हैं, और अंतर्राष्ट्रीय तथा भारतीय क्लाइंट्स की जरूरतें पूरी करने पर अपना ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं। 20-25 लोगों की टीम के साथ उनकी कंपनी डिजाइन फैब्रिक और सॉफ्ट होम फर्नीशिंग पर ध्यान केन्द्रित करती है। हालांकि जब-तब उन्हें अपनी वेबसाइट के जरिए विदेशों से एक अनूठा प्रोजेक्ट भी हाथ लग जाता है। लम्बे समय तक विदेशी ट्रेंड और तकनीक की समझ होने की वजह से हमें यह समझ आ जाती है कि कौन से प्रिंट चल सकते हैं, कौन से नहीं।

नवीनतम डिजाइनों से परिचित होने के अलावा सफल उद्यमी बनने के लिए मार्केटिंग और प्रबंधन में कुशल होना भी जरूरी है। एप्रोच बहुत जरूरी है। रचनात्मकता जो बाजार में प्रासांगिक हो और सांस्कृतिक विरासत, शिल्प या क्षेत्रीय पहचान को सामने ला सके, वह आपके लिए अधिक जरूरी है। उनके प्रोजेक्ट्स में घरेलू रिटेल स्टोर के लिए टेक्सटाइल डिजाइन तैयार करना और आर्किटेक्ट्स तथा इंटीरियर डिजाइनरों के साथ काम घरों के लिए होम फर्नीशिंग तैयार करना शामिल है।

मैनेजमेंट का मूलमंत्र है टीमवर्क

जो सभी के साथ मिलकर काम करना सीख लेता है वह पीछे मुड़कर नहीं देखता, क्योंकि टीमवर्क के रूप में कार्य करना ही मैनेजमेंट का मूलमंत्र है। करियर बनाने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक है चूंकि इससे आप अपनी मनपसंदीदा करियर को चुनने में आसानी होने के साथ ही खाली बैठने के लिए आपके पास समय भी नहीं होगा।

खुद को परफेक्ट बनाएं

मौजूदा परिस्थिति में किताबी कीड़ा बनकर या डिग्रियों का ढेर लगाकर सफलता की कामना नहीं की जा सकती है। अपने अंदर झांककर अपनी प्रतिभा को टटोलें कि किन क्षेत्रों में आप अपनी दक्षता को विकसित कर बाजी मार सकते हैं। जो क्षेत्र आपको सर्वाधिक उपयुक्त लगे, उसमें विशेषज्ञों की सलाह लेकर अपना कौशल बढ़ाएं।

आत्मविश्वास बढ़ाना भी है जरूरी

जीवन के कुरुक्षेत्र में आधी लड़ाई तो आत्मविश्वास द्वारा ही लड़ी जाती है। यदि योग्यता के साथ आत्मविश्वास जुड़ जाए तो करियर के कुरुक्षेत्र में आपको कोई पराजित नहीं कर पाएगा। अध्ययन के साथ-साथ उन गतिविधियों में भी हिस्सा लें, जिनसे आपका आत्मविश्वास बढ़े।

संपर्क स्थापित करना महत्वपूर्ण

आज जमाना ही सूचना प्रौद्योगिकी का है, यहां जितनी जानकारी, जितनी सूचनाएं आपके पास होंगी करियर निर्माण की राह उतनी ही आसान होगी। कूपमंडूकता छोड़ें, ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलें उन्हें अपनी जानकारी दें, आपके जानने वालों का जंजाल जितना लंबा होगा सफलता उतनी ही आपके करीब होगी।

नए जमाने की तकनीक अपनाएं

पुराना भले ही सुहाना माना जाता हो, लेकिन आज की प्रतिस्पर्धा में नई तकनीक का महत्त्व नकारा नहीं जा सकता है। किसी भी क्षेत्र में प्रवेश से पहले पूछा जाता है, क्या कम्प्यूटर चलाना आता है? कम्प्यूटर के आधारभूत ज्ञान के बजाय थोड़ी ज्यादा दिलचस्पी दिखाएं, क्योंकि यही वह अलादीन का चिराग है, जो करियर निर्माण की हर मांग को पूरा कर सकता है। इससे पहले कि कोई नई तकनीक पुरानी हो जाए आप इसके उस्ताद बन जाएं। अपने ज्ञान को परिमार्जित करते रहें। भविष्य उसी का होता है, जो अपने को श्रेष्ठतम तरीके से अनुकूल रूप में ढाल लेता है।

परिवार का सहयोग आवश्यक

अकसर देखा गया है कि करियर निर्माण की चिंता में लोग घर परिवार को भूल जाते हैं। परेशानी और तकलीफ के वक्त परिवार ही काम आता है। इसलिए परिवार को पर्याप्त समय दें। पारिवारिक आमोद- प्रमोद से करियर की राह आसान हो जाती है तथा आप तनावमुक्त होकर करियर निर्माण की राह पर अग्रसर हो सकते हैं।

दूसरों से न करें अनमना व्यवहार

आपका संघर्ष, आपकी परेशानी नितांत निजी मामला है। इसका असर दूसरों के साथ अपने व्यवहार में न आने दें। जो सभी के साथ मिलकर काम करना सीख लेता है वह पीछे मुड़कर नहीं देखता, क्योंकि टीमवर्क के रूप में कार्य करना ही मैनेजमेंट का मूलमंत्र है।

काम में ईमानदारी बरतें

झूठ ज्यादा देर टिकता नहीं है, अपने बारे में सही आकलन कर वास्तविक तस्वीर पेश करें। निष्ठापूर्ण व्यवहार की सभी कद्र करते हैं। अपने काम के प्रति आपकी ईमानदारी आपको करियर निर्माण में सर्वोच्च स्थान दिला सकती है। भूलें नहीं कि कार्य ही पूजा है।

ज्यादा महत्वाकांक्षी न बनें

प्रत्येक इनसान में महत्वाकांक्षा का होना जितना अच्छा है, उसकी अतिमहत्वाकांक्षा उतनी ही नुकसानदायक होती है, क्योंकि अति सर्वत्र वर्जयते। किसी करिश्मे की उम्मीद न करें सभी चीजें समय पर ही मिलती हैं।

पेरिस मास्टर्स

पेरिस मास्टर्स में हिस्सा नहीं लेंगे नोवाक जोकोविच

● चोट बनी वजह? अगले सप्ताह होना है टूर्नामेंट

पेरिस, एजेंसी। जोकोविच इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। मई से लेकर सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जोकोविक ने सिर्फ तीन ग्रैंडस्लैम में ही हिस्सा लिया था। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिये इसकी जानकारी दी है।

जोकोविज इससे पहले पैर में चोट के कारण मैत्री टूर्नामेंट से भी हट गए थे। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच इस सीजन लगातार नहीं खेल सके हैं। उन्होंने चार ग्रैंडस्लैम के अलावा सिर्फ आठ एटीपी टूर इवेंट में ही हिस्सा लिया है।

इस सीजन चारों ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच- 38 साल के जोकोविच इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। मई से लेकर सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जोकोविक ने सिर्फ तीन ग्रैंडस्लैम में ही हिस्सा लिया था। हाल ही में शांघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल के दौरान उन्हें कुछ दिक्कत लगी थी। पिछले सप्ताह सऊदी अरब में सिक्स किंग्स स्लैम में उन्हें आमंत्रित किया गया था। ओपनिंग दौर में बाई मिलने के बाद जोकोविच यानिक सिनर से हार गए थे। तीसरे स्थान पर रहने के लिए उनका टेलर फ्रिट्ज से हुआ, लेकिन एक सेट के बाद ही उन्होंने मैच रोक दिया। जोकोविच एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने के बाद 2024 में इस टूर्नामेंट में नहीं खेले थे। इस बार ये टूर्नामेंट नौ से 16 नवंबर तक इटली के तुरिन में होगा।

सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेगा पाकिस्तान

भारत उतारेगा दल; समरदीप पर नजरें

रांची, एजेंसी। रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में होने जा रही इस चैंपियनशिप में छह देशों के तकरीबन 300 एथलीट शिरकत करने जा रहे हैं। मेजबान भारत ने भी इस चैंपियनशिप के लिए अपने प्रमुख एथलीटों की बजाय युवा एथलीटों को मौका देने का फैसला लिया है। बीते एक वर्ष में दो बार स्थगित होने के बाद 24 अक्तूबर से रांची में आयोजित होने जा रही सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान भाग नहीं लेगा। पाकिस्तान ने इस चैंपियनशिप के लिए प्रवेश ही नहीं भेजा है। इससे पहले यह चैंपियनशिप दो बार पाकिस्तानी एथलीटों को वीजा नहीं दिए जाने के चलते

स्थगित की गई थी। 26 अक्तूबर तक रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में होने जा रही इस चैंपियनशिप में छह देशों के तकरीबन 300 एथलीट शिरकत करने जा रहे हैं। मेजबान भारत ने भी इस चैंपियनशिप के लिए अपने प्रमुख एथलीटों की बजाय युवा एथलीटों को मौका देने का फैसला लिया है।

90 भारतीय एथलीट भाग लेंगे

चैंपियनशिप का आकर्षण शॉटपुटर समरदीप सिंह गिल होंगे। गिल पिछले तीन टूर्नामेंट से एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तेजिंदर पाल सिंह तूर को हराते आ रहे हैं। उन्होंने अंतरराज्यीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट में अगस्त माह में 19.82 मीटर गोला फेंका था। चैंपियनशिप में भारत के 90 के करीब एथलीटों के शिरकत करने की उम्मीद है। इनमें 400 मीटर में नीरू पाठक, डिस्कस थ्रो में किरपाल सिंह, 800 मीटर में लिली दास, 4 गुणा 400 मीटर रिले में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एमआर पूवम्मा, प्रिया मोहन, 4 गुणा 100 मीटर रिले में एमवी जिल्ना, पुरुष जेवलिन थ्रो में ऋषभ नेहरा, हिमांशु जैसे एथलीट शामिल हैं।

पर्थ में फ्लॉप रहे रोहित-कोहली

● बल्लेबाजी कोच ने इस तरह सपोर्ट किया

एडिलेड, एजेंसी। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने विराट कोहली और रोहित शर्मा का समर्थन किया है, जिन्होंने पर्थ में खेले गए पहले वनडे मैच में निराशाजनक प्रदर्शन किया था। कोटक का मानना है कि रो-को ने सीरीज के लिए पूरी तैयारी की थी, लेकिन मौसम ने खेल बिगाड़ दिया।

सितांशु कोटक के मुताबिक, पर्थ में मौसम की स्थिति बल्लेबाजों के लय हासिल करने में संघर्ष करने का एक प्रमुख कारण थी, जिसके कारण खिलाड़ियों को कई बार मैदान से बाहर जाना पड़ा। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के समापन के बाद पहली बार टीम इंडिया में वापसी की, लेकिन फैंस को निराश कर गए।

पर्थ में रोहित ने 14 गेंदों में 8 रन बनाए, जबकि विराट कोहली 8 गेंदों में खाता तक नहीं खोल सके। बारिश से प्रभावित इस मैच में भारत को डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सितांशु कोटक ने बुधवार को पत्रकारों से कहा, रोहित-कोहली काफी अनुभवी हैं। मुझे लगता है कि मौसम की वजह से ऐसा हुआ। अगर ऑस्ट्रेलिया पहले बल्लेबाजी करने उतरता, तो भी स्थिति ऐसी ही होती। जब चार-पांच बार रुकावट आती है और हर दो ओवर में आप अंदर जाकर मैदान पर वापस आते हैं, तो यह आसान नहीं होता।

बल्लेबाजी कोच ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर कहा, ऑस्ट्रेलिया आने से पहले, उन्होंने पूरी तैयारी की थी। मुझे लगता है कि अभी उनके बारे में किसी तरह की राय बनाना जल्दबाजी होगी। उन्होंने अभी-अभी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है। वे अभी भी आईपीएल खेल रहे हैं। हमें उनकी तैयारियों और उनकी फिटनेस की स्थिति के बारे में अच्छी तरह पता है। वे राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी भी जाते हैं। वे वहां क्या कर रहे हैं, जाहिर है, मैं उन्हें देखता हूं।

एकबार फिर टीम इंडिया ने पाक कप्तान से नहीं मिलाया हाथ

मैच में 81-26 से रौंदा!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई युवा खेलों में भारत की युवा कबड्डी टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने पूरे देश को गर्व से भर दिया. बहरीन में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 81-26 के विशाल अंतर से हरा दिया. इस मैच से पहले टॉस के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसने सबका ध्यान खींच लिया. भारतीय कप्तान ईशांत राठी ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया.

पाकिस्तान की करारी हार

टॉस के वक्त हुए इस 'नो हैंडशेक' मोमेंट के बावजूद, भारतीय टीम ने मैदान पर शानदार खेल दिखाया. शुरू से ही भारत ने मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा. पाकिस्तान की टीम भारतीय खिलाड़ियों की गति और रणनीति के आगे टिक ही नहीं पाई. इससे पहले भारत ने बांग्लादेश को 83-19 और श्रीलंका को 89-16 से हार का स्वाद चखाया था. यानी टीम इंडिया अब तक टूर्नामेंट में अपराजित रही है और फाइनल की ओर मजबूती से बढ़ रही है.

कबड्डी में भारत का एकछत्र राज

पहली बार है जब कबड्डी को एशियाई युवा खेलों का हिस्सा बनाया गया है. सात देशों की टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से भिड़ रही हैं. इस फॉर्मेट में जो टीमें शीर्ष पर रहेंगी, वे 23 अक्टूबर को होने वाले फाइनल मुकाबले में आमने-सामने होंगी. मौजूदा प्रदर्शन देखकर ऐसा लगता है कि भारत फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर चुका है.

'नो हैंडशेक' से उठे सवाल, लेकिन मिला देश का समर्थन

भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच हाथ न मिलाने का ट्रेंड अब बार-बार दिखने लगा है. कुछ महीने पहले एशिया कप क्रिकेट में भी सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम ने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने का फैसला किया था. महिला टीम ने भी इसी साल विश्व कप के दौरान ऐसा ही किया था. भारत की ओर से यह रुख हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से लिया गया है. इस हमले में 26 भारतीय मारे गए थे. कई खेल विश्लेषकों का मानना है कि यह 'नो हैंडशेक' पाकिस्तान के खिलाफ एक मूक विरोध है.

दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया के निशाने पर होंगे रोहित-कोहली

कंगारूओं ने Ro-Ko के लिए बनाई योजना

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भी जानते हैं कि रोहित-कोहली पर एडिलेड में रन बनाने का दबाव होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दोनों ही बल्लेबाजों की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। भारतीय टीम को दूसरे वनडे में घेरने के लिए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने साढ़े सात माह बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली को निशाना बनाने की योजना बनाई है।

पहले वनडे में फ्लॉप रहे दोनों दिग्गजों के लिए एडिलेड का मैच महत्वपूर्ण होगा। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भी जानते हैं कि दोनों पर एडिलेड में रन बनाने का दबाव होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दोनों ही बल्लेबाजों की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे गुरुवार को भारतीय समयानुसार सुबह नौ बजे से खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की कोशिश इन दोनों को एक बार फिर सस्ते में आउट करते हुए भारतीय टीम पर दबाव बनाकर एडिलेड में ही सीरीज जीतने की होगी। वहीं, भारतीय टीम की कोशिश पर्थ में मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पर पलटवार करने की होगी, लेकिन इसके लिए गुरुवार को होने वाले दूसरे वनडे में रोहित और विराट के बल्ले से रन निकलना अहम होगा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का कहना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम जब भारत के खिलाफ एडिलेड में उतरेगी तो उसकी कोशिश विराट कोहली की ऑफ स्टंप के बाहर की कमजोरी का फायदा उठाने की होगी।

पाकिस्तान की करारी हार, बोर्ड में मचा बवाल!

लाहौर, एजेंसी। विश्व कप में लगातार हार के बाद पाकिस्तानी महिला क्रिकेट टीम आलोचनाओं के घेरे में आ गई है। मंगलवार को कोलंबो में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 150 रनों से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। यह हार टीम के लिए केवल एक मैच नहीं, बल्कि आत्ममंथन का समय बन गई है।

लगातार हार से डगमगाया आत्मविश्वास

पाकिस्तानी टीम अभी अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। अब तक टीम को बांग्लादेश, भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से हार मिली है, जबकि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच बारिश के कारण अधूरे रहे। इस खराब प्रदर्शन ने खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बुरी तरह झकझोर दिया है।

बल्लेबाजी पर सवाल, गेंदबाजों ने किया संघर्ष

जहां बल्लेबाजों ने उम्मीदें तोड़ीं, वहीं गेंदबाजों ने कई मौकों पर टीम को मैच में बनाए रखने की कोशिश की। जावेरिया ने कहा कि गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया, भारत और इंग्लैंड जैसी टीमों के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला।

घरेलू ढांचे की कमी, नई प्रतिभाएं नहीं मिल रहीं- पूर्व तेज गेंदबाज और कोच कबीर खान ने टीम के कमजोर प्रदर्शन की जड़ में घरेलू क्रिकेट ढांचे की कमी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, हमारे पास नई प्रतिभाएं नहीं आ रहीं क्योंकि हमारा घरेलू सिस्टम बहुत कमजोर है। हमें जूनियर स्तर से शुरुआत करनी होगी। पाकिस्तान में बहुत सी लड़कियां क्रिकेट खेलना चाहती हैं, लेकिन उन्हें मंच नहीं मिलता। कबीर का मानना है कि अगर पाकिस्तान को भविष्य में मजबूत महिला टीम बनानी है तो उसे घरेलू टूर्नामेंट्स और प्रशिक्षण सुविधाओं पर बड़ा निवेश करना होगा।

पाकिस्तान भी वर्ल्ड कप से बाहर

अब एक स्पॉट के लिए तीन टीमों में जंग, दिलचस्प हुआ सेमीफाइनल का समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में पाकिस्तानी टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें पूरी तरह ध्वस्त हो गई हैं. 21 अक्टूबर (मंगलवार) को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में हुए मुकाबले में पाकिस्तान को साउथ अफ्रीका ने डीएलएस नियम के तहत 150 रनों से हरा दिया. बारिश से प्रभावित मैच में पाकिस्तानी टीम को 20 ओवर्स में 234 रन बनाने थे, लेकिन वो सात विकेट पर 83 रन ही बना सकी. मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 40 ओवरों में 9 विकेट पर 312 रन बनाए थे. साउथ अफ्रीका इस जीत के साथ ही अंकतालिका में टॉप पर पहुंच गया. महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका की टीम्स पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं. वहीं पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश अंतिम-चार की रेस से बाहर हो चुका है.

न्यूजीलैंड को हराने पर मिलेगा सेमीफाइनल का टिकट

अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है वो सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी क्योंकि उसके 6 अंक हो जाएंगे. भारत सेमीफाइन की रेस में शामिल तीन टीम्स में ऐसी अकेली ऐसी टीम होगी, जिसने तीन मैच जीते होंगे. लेकिन अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड से हारती है और वो बांग्लादेश को हराती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हराए, तभी भारत टॉप-4 में पहुंच पाएगा. अगर भारत अपने दोनों बचे मैच हारता है, तो उसका सफर यहीं खत्म हो जाएगा. न्यूजीलैंड के पांच मैचों से 4 अंक हैं और उसका नेट रनरेट -0.245 है. न्यूजीलैंड की टीम पांचवें नंबर पर है. अगर न्यूजीलैंड अपने दोनों मैच (बनाम भारत और इंग्लैंड) जीत लेता है, तो वह 8 अंकों के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा. अगर न्यूजीलैंड की टीम भारत को हराती है, लेकिन इंग्लैंड से हार मिलती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि बांग्लादेश की टीम भारत को हराए.

आईसीसी टेस्ट रैंकिंगः

जसप्रीत बुमराह के लिए मुसीबत बना पाकिस्तान का 39 साल का गेंदबाज, नंबर 1 रैंकिंग पर खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बादशाहत पर खतरा मंडराने लगा है. 39 साल के स्पिनर उनके काफी करीब पहुंच गया है. ये स्पिनर साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए ये मुकाम हासिल किया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान के इस स्पिनर ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और 10 विकेट हासिल किए थे. आईसीसी टेस्ट बॉलिंग की रैंकिंग में ये गेंदबाज दूसरे स्थान पर पहुंच गया है.

नुमान अली ने लगाई लंबी छलांग- पाकिस्तान के स्टार स्पिनर नुमान अली ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं. इस दौरान वो जसप्रीत बुमराह को कड़ी टक्कर दे रहे हैं.

सचिन से 5000 ज्यादा मेरे रन...

सबसे ज्यादा शतक भी मेरे होते, ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के बयान से सब हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। मिस्टर क्रिकेट के नाम से मशहूर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइक (माइकल) हसी का एक बयान खूब वायरल हो रहा है. हसी ने कहा है कि अगर उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा मौके मिले होते या सही समय पर उनका डेब्यू हुआ होता तो फिर वह भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर से 5000 रन ज्यादा बना देते.

यू-ट्यूब चैनल पर माइक हसी ने कहा, मेरे टाइम पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में काफी प्रतिभा थी, जिस कारण मुझे देरी से मौका मिला. अगर मुझे सही समय पर मौका मिला होता तो यकीनन मैं सचिन तेंदुलकर से ज्यादा रन बना देता.

हसी ने आगे कहा, मैंने इसके बारे में बहुत सोचा है. मैं सचिन से 5000 रन पीछे रह जाऊंगा, जो इस खेल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. सबसे ज्यादा जीत, सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा एशेज और सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप, हर चीज मेरे नाम. फिर बदकिस्मती से मैं सुबह उठता हूं तो यह सब सपना लगता है. फिर मैं सोचता हूं मुझे पहले मौका मिला होता तो ज्यादा अच्छा होता.

पंजाब कैबिनेट मंत्रियों द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी पर्व समारोहों के लिए असम के मुख्यमंत्री को आमंत्रण

चंडीगढ़/गुवाहाटी। पंजाब सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने, जिसकी अगुवाई वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटारूचक कर रहे थे, आज गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात कर उन्हें श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी पर्व को समर्पित समारोहों के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया।

इस उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान राष्ट्रीय एकता की भावना पर जोर दिया गया और नौवें सिख गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी, जिन्हें धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए उनके महान बलिदान के कारण च्हिंद दी चादरज्ञ कहा जाता है, के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया गया।

कैबिनेट मंत्रियों एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा और लाल चंद कटारूचक ने मुख्यमंत्री सरमा को व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण पत्र सौंपा, जिसमें पंजाब सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे भव्य स्मृति समारोहों की रूपरेखा बताई गई। ये आयोजन उन विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों पर होंगे जो गुरु जी के जीवन, उपदेशों और उनके अनुपम बलिदान से जुड़े हैं।

इस अवसर पर वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहादत के सार्वभौमिक महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का बलिदान धार्मिक सीमाओं से परे है। यह मानवाधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एक शक्तिशाली प्रेरणा है। उन्होंने आगे कहा कि गुरु साहिब के सार्वभौमिकता और वीरता के संदेश के प्रसार के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सरमा को आमंत्रित करने का मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना है कि यह ऐतिहासिक अवसर राष्ट्रीय एकता और भाईचारे के साथ मनाया जाए।

इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटारूचक ने विभिन्न राज्यों के बीच साझा आध्यात्मिक संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि असम के लोग भी सिख गुरुओं के प्रति गहरा सम्मान रखते हैं, और हमारा मानना है कि मुख्यमंत्री सरमा की उपस्थिति पंजाब और असम के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करेगी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पंजाब के प्रतिनिधिमंडल का हार्दिक स्वागत किया और श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने मंत्रियों को आश्वस्त किया कि असम सरकार भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत में गुरु साहिब के स्मरणीय योगदान का सम्मान करती है। निमंत्रण स्वीकार करते हुए, मुख्यमंत्री सरमा ने इन स्मृति समारोहों की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं और कहा कि उनकी सरकार इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने के लिए सभी संभावनाओं का पता लगाएगी, क्योंकि गुरु साहिब राष्ट्रीय चेतना में एक विशेष स्थान रखते हैं।

तरन तारन उप चुनाव- नामांकन पत्रों की जांच के बाद 6 उम्मीदवारों के कागज़ रद्द

चंडीगढ़,। पंजाब विधानसभा की 21-तरन तारन सीट के लिए नामांकन पत्रों की जांच के बाद 6 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द कर दिए गए हैं।

पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि 21-तरन तारन सीट के उप चुनाव के लिए बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच के बाद छह उम्मीदवारों के कागज़ रद्द कर दिए गए।

उन्होंने बताया कि 4 कवरिंग उम्मीदवारों और 2 आज़ाद उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द किए गए हैं। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों और नियमों के अनुसार, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से कवरिंग उम्मीदवार लीना संधू, शिरोमणि अकाली दल से कवरिंग उम्मीदवार कंचनप्रीत कौर, भारतीय जनता पार्टी से कवरिंग उम्मीदवार सुच्चा सिंह, तथा आप (आम आदमी पार्टी) से कवरिंग उम्मीदवार राजेश वालिया के नामांकन पत्र रद्द कर दिए गए हैं। इसके अलावा, दो आज़ाद उम्मीदवार, लक्खा सिंह और संजीव सिंह के नामांकन पत्र भी चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सही नहीं पाए गए।

उन्होंने आगे बताया कि 24 अक्टूबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं। इसके बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि 21-तरन तारन सीट के उप चुनाव के लिए कुल कितने उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

धान खरीद सीज़न 2025

अब तक 4.32 लाख से अधिक किसानों को एम.एस.पी. का लाभ मिला

पटियाला रहा अव्वल और बाढ़ की मार झेल रहा तरनतारन दूसरे स्थान पर

चंडीगढ़, धान के खरीद सीज़न को सुचारू बनाने के लिए कोई कसर बाकी न छोड़ते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दूरदर्शी नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा अपनाई गई सक्रिय पहल के चलते 21 अक्टूबर तक 4,32,458 किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) का लाभ मिला है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री लाल चंद कटारूचक्क के नेतृत्व में खरीद, लिफ्टिंग और भुगतान पूरी तेजी से जारी हैं। अब तक 57,546 किसानों को एम.एस.पी. का लाभ मिलने के साथ पटियाला ज़िला सबसे आगे है। वहीं, बाढ़ से प्रभावित तरनतारन में 38,578 किसानों को लाभ मिलने के साथ यह दूसरे स्थान पर है और फिरोजपुर 35,501 किसानों के साथ तीसरे स्थान पर है।

उल्लेखनीय है कि 21 अक्टूबर शाम तक राज्यभर की मंडियों में कुल 58,40,618.72 मीट्रिक टन धान की आमद हुई है। इनमें से 56,04,976.76 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है और इस तरह यह आंकड़ा 95 प्रतिशत बनता है। गौरतलब है कि अब तक 39,85,173.28 मीट्रिक टन धान की लिफ्टिंग हो चुकी है, जो कुल खरीदी गई फसल का लगभग 71 प्रतिशत है।

कैबिनेट मंत्री सौंद ने लोगों से भगवान विश्वकर्मा जी द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने की अपील की

भगवान विश्वकर्मा जी धरती पर शिल्पकला और इंजीनियरिंग के संस्थापक हैं - तरुनप्रीत सिंह सौंद

लुधियाना में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह के दौरान विश्वकर्मा दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

मंत्री सौंद ने मंदिर के लिए 10 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की

चंडीगढ़ / लुधियाना, कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बुधवार को कहा कि भगवान विश्वकर्मा जी को धरती पर शिल्पकला, वास्तुकला और इंजीनियरिंग के सृजन का जनक माना जाता है। विश्वकर्मा दिवस मनाने के लिए लुधियाना स्थित भगवान विश्वकर्मा मंदिर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए सौंद ने कहा कि वैश्विक औद्योगिक और बुनियादी ढांचे का विकास भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद का परिणाम है। मंत्री ने आगे बताया कि पंजाब सरकार राज्यभर के युवाओं के लिए कौशल विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि उन्हें भगवान विश्वकर्मा के सिद्धांतों और शिक्षाओं के अनुरूप सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जीने योग्य बनाया जा सके। भगवान विश्वकर्मा को ब्रह्मांड के सर्वोच्च शिल्पकार के रूप में सम्मानित किया जाता है, जिन्हें औद्योगिक प्रक्रियाओं में प्रयुक्त की जाने वाली सभी मशीनरी और उपकरणों के स्वामी के रूप में जाना जाता है। लोगों को भगवान विश्वकर्मा की शिक्षाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करते हुए सौंद ने कहा कि राज्यभर में कौशल विकास को बढ़ावा देना भगवान विश्वकर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मंत्री ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में सरकार की परिवर्तनकारी पहलों का भी उल्लेख किया, जो सभी के लिए सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं सुनिश्चित करती हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब के युवाओं को 55,000 सरकारी नौकरियां पारदर्शी तरीके से दी गई हैं, 90 प्रतिशत निवासियों के बिजली बिल शून्य हैं और राज्य के सभी 13,246 गांवों को अगले छह महीनों में 3,100 उच्च स्तरीय खेल मैदानों तक पहुंच मिल जाएगी। सौंद ने राष्ट्रीय सुरक्षा में पंजाब के महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत की आबादी का केवल 1.5 प्रतिशत होने के बावजूद, देश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने में पंजाब अग्रणी रहा है। इसके साथ ही उन्होंने नशा विरोधी अभियान च्युद्ध नशों विरुद्धज्ज की सफलता पर भी प्रकाश डाला। विधायक अशोक पराशर पप्पी, विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू, विधायक मदन लाल बग्गा और मेयर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर ने भी विश्वकर्मा दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। मंदिर समिति के प्रधान रंजीत कुमार सल्ल ने राज्य सरकार से अपील की कि मंदिर की इमारत के लंबित सिविल कार्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक धनराशि जारी की जाए। इस पर मंत्री सौंद ने मंदिर के लिए 10 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की और लंबित सिविल कार्यों को पूरा करने में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें भी वितरित कीं। इस अवसर पर मंत्री ने चरणजीत सिंह विश्वकर्मा, इंदरजीत सिंह सोहल, अमरजीत सिंह, राजिंदर सिंह सरहाली, रंजीत सिंह मथारू, अशोक कांडा, सुरजीत कांडा, सुरजीत सिंह, करण अरोड़ा, एडवोकेट मनरीत सिंह नागरा और अन्य कई प्रमुख उद्योगपतियों को सम्मानित भी किया।

पिछले दो वर्षों की तुलना में पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में आई 4 गुना कमी

पंजाब में वर्ष 2024 में 1,510 और वर्ष 2023 में 1,764 मामलों के मुकाबले वर्ष 2025 में पराली जलाने के 415 मामले दर्ज किए गए

चंडीगढ़,। राज्य में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए सिविल प्रशासन और पंजाब पुलिस द्वारा किए जा रहे लगातार और सक्रिय प्रयासों के सकारात्मक परिणामस्वरूप, इस वर्ष पंजाब में पिछले दो वर्षों की तुलना में खेतों में पराली जलाने की घटनाओं में लगभग चार गुना कमी दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 15 सितंबर से 21 अक्टूबर 2025 तक, पंजाब में केवल 415 पराली जलाने के मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि वर्ष 2024 और 2023 में क्रमशः 1,510 और 1,764 मामले दर्ज हुए थे, जो इस वर्ष पराली जलाने की घटनाओं में चौंकाने वाली गिरावट को दर्शाते हैं। उल्लेखनीय है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सी.ए.क्यू.एम.) के पराली जलाने के मामलों को शून्य तक लाने के निर्देशों की पालना करते हुए, पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव और विशेष डीजीपी (कानून-व्यवस्था) अर्पित शुक्ला स्वयं इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं। डीजीपी पंजाब राज्य में पराली जलाने की घटनाओं की दैनिक समीक्षा के लिए सभी वरिष्ठ अधिकारियों, रेंज अधिकारियों, सीपीज़/एसएसपीज़ और थाना प्रभारी (एसएचओज) के साथ बैठकें कर रहे हैं। विशेष डीजीपी अर्पित शुक्ला ने कहा कि सिविल प्रशासन के साथ मिलकर पुलिस टीमें राज्यभर में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए जमीनी स्तर पर निरंतर प्रयास कर रही हैं। उन्होंने बताया कि डीसी/एसएसपीज़ और एसडीएम/डीएसपी उन गांवों में संयुक्त दौरे कर रहे हैं जिन्हें पराली जलाने के हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है।

त्यौहार प्राचीन भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं और त्यौहार समाज में सौहार्द और भाईचारे की भावना को करते हैं प्रबल - विधायक घनश्याम सर्राफ

भिवानी,। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि त्यौहार समाज में सौहार्द और भाईचारे की भावना को प्रबल करते हैं। त्यौहार प्राचीन भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। त्योहारों पर हमें सभी प्रकार के गिले शिकवे भुला देने चाहिए। उन्होंने कदम का पौधा लगाकर विधायक ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विधायक व उनकी धर्मपत्नी प्रेमलता सर्राफ तथा अमन सर्राफ ने दीपावली व गोवर्धन की शुभकामनाएं दी। विधायक श्री सर्राफ बुधवार को स्थानीय राजपूत धर्मशाला में दिवाली मिलन समारोह के अवसर पर अन्नकूट प्रसाद वितरण के दौरान अपना संदेश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि दिवाली के अवसर पर अबकी बार प्रदूषण कम हुआ है। आने वाले समय में इस बारे लोगों को और अधिक जागरूक किया जाएगा। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। उन्होंने इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे भी वितरित किए।उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने बरसात से रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठा लिया था, जिससे सभी का जीवन सुरक्षित रहा था। इस दिन भगवान श्री कृष्ण के साथ साथ गौ माता की भी पूजा की जाती है।

बच्चे को गोद देने व लेने में करें कानूनी प्रक्रिया की पालना - डीसी

भिवानी,। डीसी साहिल गुप्ता ने कहा है कि निःसंतान दंपत्ति अगर बच्चा लेना चाहते हैं तो वे दत्तक ग्रहण प्रक्रिया के बारे में जिला बाल संरक्षण इकाई भिवानी के कार्यालय से जानकारी लें। बच्चा गोद लेने व देने के लिए सरकार ने किशोर न्याय अधिनियम नियम 2015 एवं दत्तक ग्रहण अधिनियम 2022 बनाया हुआ है। इसके अनुसार बच्चा गोद लेने की प्रक्रिया में मुख्य रूप से सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथोरिटी की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं और कानूनी कार्यवाही की जानकारी देख सकते हैं। बच्चा गोद लेने के लिए पूरी कानूनी प्रक्रिया की पालना करना जरूरी है। डीसी ने जानकारी देते हुए कहा है कि सौतेले माता-पिता द्वारा दत्तक ग्रहण, रिशेतदारों द्वारा गोद लेना भी कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से ही करवाना चाहिए। बिचौलियों के बहकावे आकर निःसंतान दम्पति ठगी का शिकार हो जाते हैं। इसमें आमतौर में जीवित माता -पिता की सहमति आवश्यक होती है। लेकिन या उनकी मृत्यु हो गई हो या वह सहमति देने में असमर्थ हो तो बाल कल्याण समिति की अनुमति की आवश्यक होती है। किसी भी बच्चे को बेचना कानूनी जुर्म है। किसी भी बच्चे को गोद लेने व गोद देने की एक कानूनी प्रक्रिया है, अगर कोई गैरकानूनी तरीके से बच्चा गोद लेता है व गोद देता है तो वह दत्तक ग्रहण नहीं है और बच्चे को खरीदता व बेचता मिलता है तो उसे किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत कम से कम 3 वर्ष की सजा या जुर्माना दोनों हो सकते हैं। वहीं जिला बाल संरक्षण अधिकारी किरण ने जानकारी देते हुए बताया कि बच्चा गोद लेने के लिए महिला एवं बाल विकास के जिला बाल संरक्षण कार्यालय से पूरी जानकारी लेकर पंजीकरण करवाएं। यह कार्यालय चिडियाघर रोड़ पर जिला रेडक्रास सोसाइटी के पास स्थित है। डीसीपीओ ने बताया कि यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और कानूनी प्रावधानों के तहत की जाती है। विभाग के अनुसार किसी भी बच्चे को गोद लेने से पहले इच्छुक दंपत्ति की पूरी जांच पड़ताल की जाती है। इसमें उनकी मानसिक स्थिति, चिकित्सकीय रिपोर्ट, वित्तीय स्थिति और यह भी देखा जाता है कि उनके पहले से कोई बच्चा है या नहीं। यह सब इसलिए किया जाता है ताकि बच्चा सुरक्षित और स्थिर माहौल में पले- बढे। उन्होंने बताया कि गोद लेने की प्रक्रिया में कई चरणों में होती है, जिनमें आवेदन, दस्तावेज सत्यापन होम स्टडी रिपोर्ट और सक्षम प्राधिकरण की स्वीकृति शामिल है। बच्चों को गोद दिलाने के बाद भी समय-समय पर निगरानी की जाती है, ताकि सुनिश्चित हो सके कि बच्चा अपने नए परिवार के साथ सुरक्षित और खुशहाल है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवसः

25 अक्टूबर को पंजाब के मुख्यमंत्री, सभी कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब में होंगे नतमस्तक- सौंद

गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब में अरदास के साथ शुरू होंगे श्रृंखलाबद्ध समागम

चंडीगढ़,। पंजाब के पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को बड़े स्तर पर मनाने के लिए राज्यभर में श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इन कार्यक्रमों की शुरुआत 25 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब में अरदास के साथ की जाएगी।

उन्होंने बताया कि नौवें पातशाह के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित आयोजनों की शुरुआत के अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान, कैबिनेट के सभी मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी गुरुद्वारा श्री सीस गंज साहिब में मत्था टेकेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान भाई मती दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी के शहीदी स्थलों पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

सौंद ने आगे बताया कि 25 अक्टूबर की शाम गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब में विशाल कीर्तन दरबार का आयोजन किया जाएगा और गुरु साहिब के जीवन, उपदेशों एवं दर्शन को लोगों तक पहुँचाने के लिए पूरे महीने भर बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर

पंजाब सरकार द्वारा खालसा की पवित्र भूमि श्री आनंदपुर साहिब के कायाकल्प के लिए बड़े कार्य शुरू किए गए हैं और हाल ही में भाई जैता जी की स्मृति में इतिहास को मूर्त रूप देने वाली पाँच गैलरियाँ मानवता को समर्पित की गई हैं। इस स्मारक का कुल क्षेत्र 5 एकड़ है, जिसमें से लगभग 2 एकड़ क्षेत्र आच्छादित(कवर्ड) है और निर्माण(कंस्ट्रक्शन) क्षेत्र लगभग 3200 वर्ग फुट है।

उन्होंने आगे कहा कि शहीदी दिवस से जुड़े कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में 19 नवंबर से 22 नवंबर तक 4 नगर कीर्तन सजाए जाएँगे, जिनकी शुरुआत श्रीनगर से होगी।

तस्करी मॉड्यूल से जुड़े चार व्यक्ति 4 अत्याधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार

गिरफ्तार किये आरोपी पाक-आधारित तस्कर के निर्देशों पर काम कर रहे थे-डीजीपी गौरव यादव

मुख्य आरोपी जुगराज सिंह पहले भी जून 2025 में नशों संबंधी मामले में गिरफ्तार किया गया था- एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर मान

चंडीगढ़/अमृतसर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई गई मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने चार मुख्य गुर्गों को गिरफ्तार कर सीमा पार से चल रहे तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस दौरान उनके कब्जे में से चार आधुनिक .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौलों के साथ-साथ गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने यहां दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान तरनतारन के जुगराज सिंह उर्फ चिरी निवासी गांव भगवाणपुरा, कुलबीर सिंह उर्फ नन्नू उर्फ कालू निवासी गांव दलीरी, अरशदीप सिंह निवासी गांव दलीरी और नछत्तर सिंह निवासी गांव दयालपुर के रूप में हुई है।

यह कार्रवाई, एसएसओसी अमृतसर द्वारा पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार ग्लॉक पिस्तौल और 2 किलो हेरोइन बरामद कर इसी प्रकार के एक तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किए जाने के उपरांत सामने आई है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान-आधारित तस्कर के निर्देशों पर काम कर रहे थे, जो ड्रोन के माध्यम से सीमा पार से हथियारों की आपूर्ति की व्यवस्था कर रहा था। उन्होंने बताया कि इस मामले में और भी संबंधों का पता लगाने के लिए आगे जांच जारी है ताकि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर इसे पूरी तरह खत्म किया जा सके।

एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने कार्रवाई संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि कुछ व्यक्तियों द्वारा हथियारों की खेप प्राप्त किए जाने संबंधी पुख्ता सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसएसओसी अमृतसर की पुलिस टीमों ने चारों संदिग्धों के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

एआईजी ने कहा कि यह भी पता लगा है कि मुख्य आरोपी जुगराज सिंह को पहले भी जून 2025 में नशा संबंधी मामले में गिरफ्तार किया गया था और उसने लगभग दो महीने जेल में बिताए थे। उन्होंने आगे कहा कि गिरफ्तार व्यक्तियों को कानूनी कार्रवाई के अनुसार अदालत में पेश किया जाएगा।

इस संबंध में थाना एसएसओसी अमृतसर में आर्म्स एक्ट की धारा 25 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61(2) के तहत एफआईआर नंबर 62 दिनांक 21.10.2025 को केस दर्ज किया गया है।